- 19th Year
- Issue: 267
- 04.02.2026 (WEDNESDAY)
- ROURKELA
- R.N.I. No. ORIHIN/2006/18978
- (Pages-6)
- Price:2.00

e-paper-www.thekalingasamachar.com

दैनिक

कलिंग समाचार

The kalingasamachar

प्रकाशक एवं संपादक : प्रकाश कुमार धल

Published From ODISHA, JHARKHAND & CHHATTISHGARH

लोकसभा में भारी हंगामा, कागज उछालने पर कांग्रेस के 7 समेत 8 सांसद पूरे बजट सत्र से निलंबित

नयी दिल्ली ०३/०२ (संवाददाता): सदन की कुर्सी पर कागज़ फेंकने के आरोप में आठ लोकसभा सांसदों को पूरे बजट सत्र के लिए निलंबित कर दिया गया है। निलंबित सांसदों में मणिकम टैगोर, गुरजीत सिंह औजला, अमरिंदर सिंह राजा वारिंग, किरण कुमार रेड्डी, एस वेंकटेशन, हिबी ईडन, डीन कुरियाकोस और प्रशांत पाडोले शामिल हैं। इनमें से सात सांसद कांग्रेस पार्टी से हैं, जबकि वेंकटेशन सीपीएम से हैं। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू द्वारा इस संबंध में एक प्रस्ताव पेश किए जाने के बाद सांसदों के खिलाफ कार्रवाई की गई। सदन में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव को लेकर जारी चर्चा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा पूर्व सेना प्रमुख एम एम नरवणे के एक अप्रकाशित संस्मरण का उल्लेख करने का प्रयास करने के मुद्दे पर बैठक तीन बार स्थगित होने के बाद अपराह्न तीन बजे शुरू हुई तो पीठासीन सभापति दिलीप सैकिया ने आसन की अवज्ञा करने के लिए कांग्रेस सदस्यों अमरिंदर सिंह राजा वडिंग, गुरदीप सिंह औजला,हिबी ईडन, डीन कुरियाकोस, प्रशांत पडोले, किरण कुमार रेड्डी और मणिकम टैगोर तथा माकपा सांसद एस वेंकटेशन के नाम लिए।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने आठों सदस्यों का नाम लेते हुए सदन में प्रस्ताव रखा कि सदन की अवमानना करने और महासचिव तथा लोकसभा अधिकारियों की मेजों के पास आकर कागज उछालकर आसन की गरिमा को ठेस पहुंचाने के लिए उक्त सभी सदस्यों को नियम 374 (2) के तहत संसद के वर्तमान सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित किया जाए। सदन ने ध्वनिमत से इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी जिसके बाद बैठक दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई।

विपक्षी सदस्यों ने सदन में राहुल गांधी को बोलने की अनुमति नहीं मिलने के मुद्दे पर नारेबाजी करते हुए आसन के समीप कागज उछालकर फेंके थे। राहुल गांधी ने मंगलवार को सदन में नरवणे की पुस्तक पर आधारित लेख को सत्यापित करते हुए सदन के पटल पर रखा। उन्होंने फिर से नरवणे के संस्मरण और चीन के साथ टकराव का मुद्दा उठाते हुए कहा कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा का महत्वपूर्ण मुद्दा है जिसका चीन तथा पाकिस्तान के साथ संबंध है और यह राष्ट्रपति के अभिभाषण का प्रमुख हिस्सा है। आसन से उन्हें आगे बोलने की अनुमति नहीं दी गई।

सुप्रीम कोर्ट की मेटा-व्हाट्सएप को सीधी चेतावनी, संविधान मानें या भारत छोड़ दें

नयी दिल्ली ०३/०२ (संवाददाता): सुप्रीम कोर्ट ने व्हाट्सएप और मेटा की डेटा साझाकरण प्रथाओं पर गंभीर चिंता व्यक्त की। यह सुनवाई भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग के उस आदेश के विरुद्ध दायर अपीलों के एक समूह की सुनवाई के दौरान हुई, जिसमें व्हाट्सएप की 2021 की स्वीकार करो या छोड़ दो। 4 नवंबर, 2025 को राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण ने ष्टष्टढ्ढ के जुर्माने को बरकरार रखा, लेकिन नियामक द्वारा लगाए गए पांच साल के प्रतिबंध को पलटते हुए विज्ञापन उद्देश्यों के लिए डेटा साझाकरण की आंशिक अनुमति दी। इसके बाद, 15 दिसंबर, 2025 को एक स्पष्टीकरण जारी किया गया जिसमें अनिवार्य किया गया कि विज्ञापन से संबंधित डेटा साझाकरण जारी रह सकता है, लेकिन सभी प्रकार के डेटा साझाकरण, चाहे वह विज्ञापन से संबंधित हो या गैर-विज्ञापन से, उपयोगकर्ताओं को स्पष्ट ऑप्ट-आउट अधिकार प्रदान करना आवश्यक है। पीठ ने ऑप्ट-आउट तंत्रों की प्रभावशीलता पर भी चिंता व्यक्त की, यह देखते हुए कि तमिलनाडु या बिहार के किसी दूरस्थ क्षेत्र में रहने वाला कोई सड़क विक्रेता या व्यक्ति गोपनीयता नीतियों में प्रयुक्त चालाक भाषा को नहीं समझ सकता है। न्यायालय ने टिप्पणी की कि उपभोक्ताओं का व्यावसायिक शोषण किया जा रहा है और मौन उपभोक्ताओं को आवाजहीन व्यवस्था का शिकार बताया। न्यायालय ने आगे कहा कि उपयोगकर्ता ऐसे प्लेटफार्मों के आदी हो गए हैं और वास्तविक विकल्प यह नहीं है कि उन्हें चेतावनी दी गई थी या नहीं, बल्कि यह है कि उन्हें शर्तों को स्वीकार करने या सेवा छोड़ने के लिए मजबूर किया गया था। इस बात पर जोर देते हुए कि निजता के अधिकार से समझौता नहीं किया जा सकता, पीठ ने कहा कि वह किसी भी नागरिक के अधिकारों का उल्लंघन नहीं होने देगी।मुज्य न्यायाधीश ने कहा, यह देश की निजता पर चोरी करने का एक घटिया तरीका है। इस देश में निजता के अधिकार की इतनी सज़्ती से रक्षा की जाती है कि हम आपको इसका उल्लंघन करने की अनुमति नहीं देंगे। न्यायालय ने अंतरिम निर्देश जारी करने के उद्देश्य से मामले की सुनवाई 9 फरवरी को स्थगित कर दी। वरिष्ठ अधिवक्ताओं के संयुक्त अनुरोध पर, भारत संघ को प्रतिवादी बनाया गया है। संघ अपना प्रतिवाद भी दाखिल कर सकता है।

बिहार का बजट: विज़ मंत्री ने पेश किया 34 लाख करोड़ का लेखा-जोखा

पटना ०३/०२ (संवाददाता): बिहार के विज़ मंत्री बिजेंद्र यादव ने राज्य विधानसभा में 2026-27 का बजट पेश किया। बजट प्रस्तुत करते हुए विज़ मंत्री ने कहा कि इस वर्ष का 34 लाख करोड़ रुपये का बजट पिछले वर्ष के 31 लाख करोड़ रुपये के बजट से काफी अधिक है। इसमें से 7724 करोड़ रुपये सामाजिक कल्याण योजनाओं के लिए आवंटित किए गए हैं। यादव ने यह भी कहा कि 2026-27 विज़ीय वर्ष के लिए कर राजस्व लगभग 65,800 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। बिजेंद्र यादव ने कहा कि राज्य सरकार के न्याय के साथ विकास के आदर्श वाज़्य के अनुरूप, सामाजिक कल्याण योजनाओं के लिए 7724 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि बजट ईमान, ज्ञान, विज्ञान, अरमान और सज़्मान पर केंद्रित होकर तैयार किया गया है। यादव ने पिछले साल नवंबर में हुए विधानसभा चुनावों से पहले शुरू की गई बहुचर्चित मुज़्यमंत्री महिला रोजगार योजना का भी जिक्र किया, जिसके बारे में कहा जाता है कि इसने सज़ाधारी एनडीए को निर्णायक जीत दिलाई।

मंत्री ने कहा कि 1.56 करोड़ महिलाओं के खातों में 10,000 रुपये की राशि हस्तांतरित की गई। जल्द ही, उन महिलाओं को 2 लाख रुपये अतिरिक्त दिए जाएंगे जिन्होंने इस राशि का उपयोग व्यवसाय स्थापित करने के लिए किया होगा।

दुनिया का झुकाव अब भारत की ओर, हमारे धैर्य ने दिलाई ऐतिहासिक ट्रेड डील-मोदी

नयी दिल्ली ०३/०२ (संवाददाता): भारत और अमेरिका के बीच हुए व्यापारिक समझौते ने न केवल वैश्विक अर्थव्यवस्था, बल्कि भारतीय संसद के गलियारों में भी नई ऊर्जा भर दी है। मंगलवार को एनडीए संसदीय दल की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस समझौते की सफलता का श्रेय धैर्य को दिया और विपक्ष द्वारा पूर्व में की गई आलोचनाओं का जवाब दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को ह्लड्ड सांसदों से कहा कि अमेरिका के साथ भारत का ऐतिहासिक ट्रेड एग्रीमेंट लगातार सब्र का नतीजा है, और बताया कि टैरिफ बातचीत पर पहले हुई आलोचना अब एक पॉजिटिव नतीजे में बदल गई है। ह्लड्ड संसदीय दल की बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इस डील से एक अच्छा आर्थिक माहौल बना है और ग्लोबल ट्रेड बातचीत के प्रति सरकार के स्थिर नज़रिए को दिखाया है। प्रधानमंत्री ने कहा, लोगों ने टैरिफ की आलोचना की, लेकिन हमने सब्र रखा, और अब नतीजे दिख रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, दुनिया का सिस्टम बदल रहा है, और इसका रास्ता तेज़ी से भारत की ओर झुक रहा है। मैं यह बात कई ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर कहता रहा हूं, और आज हम देख रहे हैं कि कई देशों में ट्रेड टेंशन के बीच भी भारत को फायदा हो रहा है।मोदी ने सांसदों से संसद में पूरी हाज़िरी सुनिश्चित करने और चर्चाओं में एज़्टिव रूप से हिस्सा लेने का भी आग्रह किया।

पश्चिम बंगाल में ईडी का बड़ा एज़्शन! अवैध कोयला खनन मामले में पुलिस अधिकारी समेत 10 ठिकानों पर छापेमारी

कोलकाता ०३/०२ (संवाददाता):पश्चिम बंगाल में अवैध कोयला खनन मामले को लेकर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) एक बार फिर एज़्शन मोड में है। मंगलवार सुबह से ही राज्य के विभिन्न हिस्सों में केंद्रीय एजेंसी की छापेमारी जारी है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल में कोयले के कथित अवैध खनन और परिवहन से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बड़ी कार्रवाई शुरू की है।

धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत प्रवर्तन निदेशालय की टीमें राज्य के लगभग 10 विभिन्न परिसरों की तलाशी ले रही हैं। अधिकारियों के अनुसार, इस छापेमारी के केंद्र में राज्य पुलिस के अधिकारी मनोरंजन मंडल हैं। मनोरंजन मंडल से संबंधित परिसरों के अलावा, इस सिंडिकेट से जुड़े कई अन्य संदिग्धों के घरों पर भी तलाशी ली जा रही है।अधिकारियों ने बताया कि राज्य पुलिस अधिकारी मनोरंजन मंडल से संबंधित परिसरों सहित लगभग 10 परिसरों की धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत तलाशी ली जा रही है। यह मामला संघीय जांच एजेंसी द्वारा जांच किए जा रहे एक अन्य कथित कोयला घोटाला मामले से अलग है, जिसमें एजेंसी ने पिछले महीने कोलकाता में राजनीतिक परामर्श कंपनी 'आई-पैक' के परिसर पर छापा मारा था। अधिकारियों ने बताया कि किरण खान, शेख अज़्तर, प्रबीर दज़ा, मिर्जा एच बेग समेत कुछ लोगों के घरों पर छापेमारी की जा रही है।

महाराष्ट्र में बड़ा हादसा टला, उड़ान से ठीक पहले पंकजा मुंडे के हेलीकॉप्टर में आई खराबी

मुंबई ०३/०२ (संवाददाता): अजित पवार की विमान दुर्घटना में मृत्यु के कुछ दिनों बाद, महाराष्ट्र के अन्य राजनेता भी हवाई यात्रा करते समय सावधानी बरत रहे हैं। ताजा घटना भाजपा नेता और कैबिनेट मंत्री पंकजा मुंडे से जुड़ी है, जिनके हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी आ गई, जिसके कारण उन्हें अपनी हेलीकॉप्टर यात्रा स्थगित करनी पड़ी। पंकजा मुंडे जिला परिषद चुनाव प्रचार के लिए संभाजीनगर से लातूर के लिए हेलीकॉप्टर से उड़ान भरने वाली थीं। हालांकि, पायलट ने तकनीकी खराबी की सूचना दी, जिसके कारण उन्हें अपनी यात्रा स्थगित करनी पड़ी। गौरतलब है कि अजित पवार की विमान दुर्घटना में मृत्यु के बाद, सभी राजनेता हवाई यात्रा करते समय सावधानी बरत रहे हैं। छत्रपति संभाजीनगर से उड़ान भरने से ठीक पहले खराबी का पता चला।पंकजा मुंडे को जिला परिषद चुनाव प्रचार के लिए लातूर जाना था। पंकजा मुंडे दूसरे हेलीकॉप्टर से सभा में शामिल होंगी। अजित पवार का हाल ही में बारामती में विमान दुर्घटना में निधन हो गया। यह ध्यान देने योग्य है कि एनसीपी नेता अजित पवार का बारामती में विमान दुर्घटना में निधन हो गया। तब से, सभी राजनेता हवाई यात्रा करने से पहले सावधानी बरत रहे हैं।अजित पवार महाराष्ट्र के उपमुज़्यमंत्री थे और बारामती में एक रैली को संबोधित करने के लिए सुबह मुंबई से रवाना हुए थे। अजित पवार के निधन के बाद, उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार को महाराष्ट्र का उपमुज़्यमंत्री नियुक्त किया गया है। अजीत पवार से पहले, गुजरात के पूर्व मुज़्यमंत्री विजय रूपाणी की भी 2025 में अहमदाबाद में एयर इंडिया के विमान दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी।

एनडीए संसदीय दल की बैठक में मोदी का भव्य स्वागत! अमेरिका के साथ महा-डील को बताया ऐतिहासिक उपलज़्धि

नयी दिल्ली ०३/०२ (संवाददाता): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक व्यापार के मंच पर एक और बड़ी सफलता हासिल की है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ टेलीफोन पर हुई चर्चा के बाद, अमेरिका ने भारतीय उत्पादों पर लगने वाले टैरिफ को 25% से घटाकर 18% करने का ऐलान किया है। इस बड़ी उपलज़्धि के बाद मंगलवार को एनडीए संसदीय दल की बैठक में पीएम मोदी का अभिनंदन किया गया। भारत और अमेरिका के बीच एक ऐतिहासिक ट्रेड एग्रीमेंट के बाद मंगलवार को एनडीए संसदीय बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का तालियों और तारीफों के साथ स्वागत किया गया। प्रधानमंत्री मोदी से फोन पर बात करने के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की कि भारत और अमेरिका एक ट्रेड डील पर सहमत हुए हैं, जिसके तहत वाशिंगटन भारतीय सामानों पर आपसी टैरिफ को मौजूदा 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर देगा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि पीएम मोदी के कार्यकाल में भारत ने व्यापारिक समझौतों की झड़ी लगा दी है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने एनडीए संसदीय दल की बैठक में बोलते हुए बताया कि मोदी के नेतृत्व में भारत ने यूरोपीय संघ (श्व), संयुक्त अरब अमीरात, मॉरीशस, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, न्यूजीलैंड और अब अमेरिका के साथ सफलतापूर्वक बड़े ट्रेड डील साइन किए हैं। उन्होंने कहा, यह कोई मामूली उपलज़्धि नहीं है। भारत की पहचान और कद वैश्विक स्तर पर बढ़ा है, और यह इन ट्रेड एग्रीमेंट के माध्यम से भारत पर कई देशों के भरोसे को दिखाता है। यह देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती से आगे बढ़ाएगा।

ट्रेड एग्रीमेंट की घोषणा के बाद, प्रधानमंत्री मोदी ने इस डेवलपमेंट को भारतीय निर्यातकों के लिए एक बड़ा बढ़ावा बताया और इस फैसले के लिए अमेरिकी नेता को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतंत्रों और अर्थव्यवस्थाओं के बीच सहयोग से महत्वपूर्ण अवसर खुलेंगे और दोनों देशों के लोगों को फायदा होगा।

प्रधानमंत्री ने ट्रंप के नेतृत्व की भी तारीफ करते हुए कहा कि यह वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण है, और अंतरराष्ट्रीय शांति बनाए रखने के प्रयासों के लिए भारत के समर्थन को दोहराया।

विविध समाचार

सज़ा-विपक्ष में बढ़ा टकराव, राहुल गांधी के चीन मुद्दे पर मचा बवाल

नयी दिल्ली ०३/०२ (संवाददाता): मंगलवार को प्रश्नकाल के दौरान विपक्षी सांसदों द्वारा लगातार नारेबाजी के बाद संसद के निचले सदन को कल सुबह 11ः00 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस के दौरान राहुल गांधी द्वारा चीन का मुद्दा उठाने पर भाजपा सांसदों की आपज़ि के बाद लोकसभा को दोपहर 3ः00 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया था।

इससे पहले दिन में, अमेरिका-भारत व्यापार समझौते के बाद, एनडीए सांसदों ने संसद परिसर में एनडीए संसदीय दल की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के लिए बधाई दी।

लोकसभा में पूर्व सेना प्रमुख एम एम नरवणे के अप्रकाशित संस्मरण से जुड़े विषय को लेकर जारी गतिरोध के बीच मंगलवार को उस वक्त सज़ापक्ष और विपक्ष के बीच टकराव का नया मोर्चा खुल गया जब आसन के समीप कागज उछालने के मामले में आठ विपक्षी सांसदों को वर्तमान बजट सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया। कांग्रेस के सात सदस्यों और मार्क्सवादी कज़्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के एक सांसद को सदन से निलंबित किया गया

है। सदन में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव को लेकर जारी चर्चा में राहुल गांधी द्वारा नरवणे के एक अप्रकाशित संस्मरण का उल्लेख करने का प्रयास करने के मुद्दे पर बैठक तीन बार स्थगित होने के बाद अपराह्न तीन बजे शुरू हुई तो पीठासीन सभापति दिलीप सैकिया ने आसन की अवज्ञा करने के लिए कांग्रेस सदस्यों अमरिंदर सिंह राजा वडिंग, गुरदीप सिंह औजला, हिबी ईडन, डीन कुरियाकोस, प्रशांत पडोले, किरण कुमार रेड्डी और मणिकम टैगोर तथा माकपा सांसद एस वेंकटेशन के नाम लिए।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने आठों सदस्यों का नाम लेते हुए सदन में प्रस्ताव रखा कि सदन की अवमानना करने और महासचिव तथा लोकसभा अधिकारियों की मेजों के पास आकर कागज उछालकर आसन की गरिमा को ठेस पहुंचाने के लिए उक्त सभी सदस्यों को नियम 374 (2) के तहत संसद के वर्तमान सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित किया जाए। सदन ने ध्वनिमत से इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी जिसके बाद बैठक दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पूर्व सेना प्रमुख एम एम नरवणे के अप्रकाशित संस्मरण पर आधारित एक लेख का हवाला देते हुए मंगलवार को लोकसभा में एक बार फिर चीन के साथ सैन्य टकराव का मुद्दा उठाने का प्रयास किया। राहुल गांधी ने मंगलवार को नरवणे की पुस्तक पर आधारित लेख को सत्यापित करते हुए सदन के पटल पर रखा। उनका कहना था कि मैं चाहता हूं कि इसे सत्यापित किया जाए, मैं इसे पटल पर रख रहा हूं।' कांग्रेस नेता ने लेख का हवाला देते हुए कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा का महत्वपूर्ण मुद्दा है और इसका चीन तथा पाकिस्तान के साथ संबंध है और यह राष्ट्रपति के अभिभाषण का प्रमुख हिस्सा है।

सरकार ने मंगलवार को कहा कि देश में वामपंथी उग्रवाद लगभग-लगभग समाप्त हो गया है और आगामी मार्च महीने तक यह पूरी तरह खत्म हो जाएगा। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने लोकसभा में प्रश्नकाल में कहा कि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) को परंपरागत तरीके के साथ ही आधुनिक प्रशिक्षण दिया जाता है और इसमें वर्तमान की चुनौतियों और भविष्य को दृष्टिगत रखा जाता है।राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर आज चर्चा हुई। बजट सत्र यानि वर्ष के पहले सत्र की शुरुआत राष्ट्रपति के अभिभाषण से होती है। उज़्मीद की जा रही है कि चर्चा कल तक चलेगी और इसके पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सदन में चर्चा का जवाब देंगे।

राज्यसभा में मंगलवार को कांग्रेस ने भारत और अमेरिका के बीच समझौता होने की बात सोशल मीडिया में आने और इस बारे में संसद को अवगत नहीं कराये जाने का मुद्दा उठाया जबकि सदन के नेता जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि सरकार इस मुद्दे पर बयान देगी तथा विपक्ष को गैर जिज़्मेदाराना व्यवहार नहीं करना चाहिए। उच्च सदन में आज प्रश्नकाल शुरू होते ही कांग्रेस के मुज़्य सचेतक जयराम रमेश सहित पार्टी के कई सदस्यों ने अपने स्थानों पर खड़े होकर आसन का ध्यान भारत एवं अमेरिका के बीच हुए समझौते की ओर दिलाते हुए कहा, ''यह ज़्या हो रहा है, हमें इसकी जानकारी सोशल मीडिया से मिल रही है...ये देश के साथ धोखा हो रहा है।'' इस पर सदन के नेता नड्डा ने आसन की अनुमति से कहा कि कल रात अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देर रात एक ट्वीट कर कहा कि उन्होंने भारत पर लगाये जा रहे शुल्क (टैरिफ) को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अवगत कराया और उन्होंने प्रधानमंत्री को एक सच्चा दोस्त भी बताया।

चुनाव आयोग पर भड़कीं ममता बनर्जी, सीईसी को बताया झूठा, कहा-एआई का हो रहा दुरुपयोग

कोलकाता ०३/०२ (संवाददाता): पश्चिम बंगाल की मुज़्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इससे एक दिन पहले उन्होंने चुनाव वाले राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) में कथित अनियमितताओं को लेकर मुज़्य चुनाव आयुक्त से बातचीत की थी। मुज़्यमंत्री बनर्जी ने कहा कि मतदाता सूची का संशोधन केवल गैर-भाजपा शासित राज्यों में हो रहा है और यह प्रक्रिया बिना उचित तैयारी और प्रशिक्षण के जल्दबाजी में की जा रही है। उन्होंने कहा कि चुनाव की पूर्व संध्या पर ऐसा ज़्यों? ज़्योंकि फरवरी में, इसी महीने, वे (चुनाव आयोग) अधिसूचना जारी कर सकते हैं। तो ज़्या बिना योजना, बिना मानचित्रण, बिना उचित प्रशिक्षण और बिना उचित बुनियादी ढांचे के दो-तीन महीनों में एसआईआर को पूरा करना संभव है? दरअसल, देखिए, चार चुनाव वाले राज्य हैं- बंगाल, तमिलनाडु, केरल और असम। वे इसे केवल तीन राज्यों में, यानी विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्यों में ही कर

रहे हैं—असम में नहीं, ज़्योंकि यह दो इंजन वाला राज्य है।

मुज़्यमंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि सूची से कई नाम हटा दिए गए और लोगों को पंजीकरण कराने का अवसर नहीं दिया गया। उन्होंने आगे कहा दूसरा, पहले चरण में उन्होंने 58 लाख नाम हटा दिए। उन्होंने पीड़ितों को अपना बचाव करने का कोई अवसर नहीं दिया है। वे वास्तविकता की पुष्टि किए बिना कृत्रिम बुद्धिमज़ा का दुरुपयोग कर रहे हैं। टीएमसी प्रतिनिधिमंडल ने मुज़्य चुनाव आयुक्त से बैठक बीच में ही छोड़ दी। टीएमसी प्रतिनिधिमंडल ने मुज़्य चुनाव आयुक्त से बैठक बीच में ही छोड़ दी, यह आरोप लगाते हुए कि उन्हें सज़्मान नहीं दिया गया। ममता बनर्जी ने मुज़्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को ''झूठा'' और ''अहंकारी'' व्यक्ति बताया।

मुज़्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी और एसआईआर प्रक्रिया से कथित तौर पर प्रभावित लोगों के 13 परिवार सदस्य भी थे। प्रतिनिधिमंडल में पांच ऐसे व्यक्ति शामिल थे जिनके नाम कथित तौर पर मृत घोषित किए जाने के बाद मतदाता सूची से हटा दिए गए थे, एसआईआर नोटिस प्राप्त करने के बाद %मृत% हुए लोगों के पांच परिवार सदस्य और बूथ स्तर के अधिकारियों के तीन परिवार शामिल थे जिनकी कथित तौर पर दबाव में मृत्यु हो गई थी।

नितिन नबीन ने भारत-अमेरिका के बीच हुए व्यापार समझौते को सराहा, कहा-विकसित भारत के संकल्प को मिलेगी नई गति

नयी दिल्ली ०३/०२ (संवाददाता): भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने भारत और अमेरिका के बीच हुए ऐतिहासिक व्यापार समझौते का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि यह समझौता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व और वैश्विक मंच पर भारत की बढ़ती साख का प्रमाण है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की सराहना करते हुए कहा कि इससे भारतीय अर्थव्यवस्था को नया बल मिलेगा और विकसित देश का दर्जा हासिल करने के लक्ष्य को नयी गति मिलेगी।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से बातचीत के बाद कहा कि भारत और अमेरिका के बीच एक व्यापार समझौते पर सहमति बन गई है, जिसके तहत अमेरिका भारतीय वस्तुओं पर लगने वाला जवाबी शुल्क मौजूदा 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करेगा।

व्यापार समझौते की घोषणा के बाद प्रधानमंत्री मोदी

ने 'एज़्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''आज अपने प्रिय मित्र राष्ट्रपति ट्रंप से बात करके बहुत अच्छा लगा।

इस बात की खुशी है कि अब 'मेड इन इंडिया' उत्पादों पर शुल्क घटकर 18 फीसदी रह जाएगा। इस शानदार घोषणा के लिए भारत की 1.4 अरब जनता की ओर से राष्ट्रपति ट्रंप को हार्दिक धन्यवाद।'' समझौते की घोषणा के बाद नवीन ने सोशल मीडिया मंच 'एज़्स' पर लिखा, ''भारत-अमेरिका संबंधों में हुई यह नयी प्रगति अभिनंदनीय है। प्रधानमंत्री को बधाई। उनके कुशल नेतृत्व में भारत में युवाओं के लिए नित नए अवसरों के द्वार खुल रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''भारत और अमेरिका यानी दुनिया के दो सशक्त लोकतंत्रों के बीच प्रगाढ़ होते संबंधों का प्रभाव बहुत ही सकारात्मक और दूरगामी होने वाला है।'' नवीन ने कहा, ''यह निर्णय भारतीय अर्थव्यवस्था की प्रगति को नयी गति देने का माध्यम बनेगा। इससे आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया अभियान को भी नयी ऊर्जा मिलेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप से टेलीफोन पर हुई बातचीत के बाद इस फैसले पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि शुल्क में कमी से %मेड इन इंडिया% उत्पादों की वैश्विक पहुंच बढ़ेगी और भारतीय निर्यातकों को अमेरिकी बाजार में बड़ी प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त मिलेगी।

अमित शाह ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को बताया ऐतिहासिक, कहा-रणनीतिक साझेदारी छुएगी नई ऊंचाइयां

नयी दिल्ली०३/०२ (संवाददाता): केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भारत और अमेरिका के बीच हुए नए व्यापार समझौते का पुरजोर स्वागत किया है। उन्होंने विश्वास जताया कि 18 प्रतिशत की कम शुल्क (टैरिफ) दर के साथ हुआ यह समझौता न केवल दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को मजबूत करेगा, बल्कि वैश्विक स्तर पर उनकी रणनीतिक साझेदारी को एक नई ऊंचाई प्रदान करेगा।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को नयी ऊंचाइयों पर ले जाएगा और इससे व्यापारिक संबंध मजबूत होंगे तथा परस्पर विकास को बढ़ावा मिलेगा। शाह ने सोमवार देर रात सोशल मीडिया मंच 'एज़्स' पर एक पोस्ट में कहा कि यह समझौता दोनों देशों और उनके नागरिकों के लिए अत्यंत लाभकारी साबित होगा तथा इससे भारत

एवं अमेरिका के बीच व्यापार के और फलने-फूलने की उज़्मीद है।

उन्होंने कहा, ''भारत-अमेरिका संबंधों के लिए यह एक बड़ा दिन है, ज़्योंकि 18 प्रतिशत की काफी कम की गई शुल्क (टैरिफ) दर के साथ व्यापार समझौता तय हुआ है, जो मजबूत व्यापारिक रिश्तों और आपसी विकास का रास्ता खोलेगा।'' इस ''ऐतिहासिक समझौते'' के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बधाई देते हुए शाह ने कहा कि यह सौदा ''हमारी रणनीतिक साझेदारी को और ऊंचाइयों पर ले जाएगा तथा दोनों देशों एवं उनके लोगों को भारी लाभ पहुंचाएगा।

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार और अधिक फलेगा-फूलेगा।'' भारत और अमेरिका के बीच हुए इस व्यापार समझौते के तहत वाशिंगटन भारतीय वस्तुओं पर लगाए जाने वाले पारस्परिक शुल्क को मौजूदा 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करेगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने सोमवार को प्रधानमंत्री मोदी से फोन पर बातचीत के बाद इसकी जानकारी दी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उन्हें इस बात की खुशी है कि अब 'मेड इन इंडिया' उत्पादों पर कम शुल्क लगेगा।

मौलाना शहाबुद्दीन रज़वी बरेलवी की बड़ी मांग, गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने से सद्भाव बढ़ेगा

नयी दिल्ली ०३/०२ (संवाददाता): अखिल भारतीय मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रज़वी बरेलवी ने मंगलवार को केंद्र और राज्य सरकारों से गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि गाय को राष्ट्रीय पशु का दर्जा देने से सामाजिक सद्भाव मजबूत होगा। इस्लामी दृष्टिकोण से उन्होंने कहा कि गाय के दूध में औषधीय गुण होते हैं और यह स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है, जबकि गोमांस का सेवन बीमारी का कारण बन सकता है। उज़र प्रदेश के मुज़्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने %गोदान% नामक फिल्म का पोस्टर जारी किया है। यह पोस्टर और यह फिल्म गायों से संबंधित है। इसमें संभवत: गायों के संरक्षण, सुरक्षा और बचाव से जुड़ी कहानियां हैं। मैं उज़र प्रदेश सरकार और भारत सरकार से गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग करता हूं। गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने से कई समस्याएं समाप्त हो जाएंगी। यदि आप इतिहास के पन्ने पलटेंगे, तो आपको गायों से जुड़े कई विवाद मिलेंगे। इसलिए, गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने के बाद ये समस्याएं समाप्त हो जाएंगी।

उन्होंने मुसलमानों को गाय का मांस न खाने और गाय पालन पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी ताकि उनके दूध से लाभ उठाया जा सके। उन्होंने आगे कहा कि मैं इस्लामी दृष्टिकोण प्रस्तुत करना चाहता हूँ। पैगंबर मुहज़्मद (उन पर शांति हो) की एक हदीस के अनुसार, गाय के मांस में रोग होता है और उसके दूध में शिफा (इलाज) होता है। पैगंबर का उद्देश्य और दृष्टिकोण यह था कि गाय की रक्षा, सेवा और संरक्षण किया जाए, उसका मांस न खाया जाए, बल्कि उसके दूध से लाभ उठाया जाए।

राहुल गांधी फैला रहे झूठ, संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ सर्वोज़म व्यापार समझौता पर पीयूष गोयल ने विपक्ष को लताड़ा

नयी दिल्ली ०३/०२ (संवाददाता): केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ सर्वोज़म व्यापार समझौता हासिल किया है। उन्होंने लोकसभा में बहस के दौरान व्यवधान उत्पन्न करने के लिए विपक्ष, विशेष रूप से कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला किया। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर बोलते हुए गोयल ने कहा कि यह समझौता प्रधानमंत्री मोदी के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ घनिष्ठ व्यक्तिगत संबंधों के कारण संभव हुआ और इससे किसानों, लघु एवं मध्यम उद्यमों और उद्योग सहित कई क्षेत्रों को लाभ होगा।

पीयूष गोयल ने कहा कि आम तौर पर हम इस बारे में संसद में बात करना चाहते, लेकिन हम सभी ने वह शर्मनाक दृश्य देखा। विपक्ष, विशेषकर राहुल गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस पार्टी और उनके सहयोगी डीएमके, टीएमसी और समाजवादी पार्टी ने आज संसद में जिस तरह का शर्मनाक व्यवहार किया। वे स्पीकर की कुर्सी तक पहुंच गए और उनका अपमान किया। मैं विपक्ष और राहुल गांधी की कड़ी निंदा करता हूं, जिनकी वजह से हम संसद में बोलने के बजाय आज आपको यह जानकारी देने के लिए यहां आए हैं।

गोयल ने आगे कहा कि हम सभी जानते हैं कि प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति ट्रज़प के साथ अपने मैत्रीपूर्ण और घनिष्ठ संबंधों का लाभ उठाते हुए संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ एक ऐसा व्यापार समझौता किया है जो हमारे सभी पड़ोसियों, आसपास के देशों और हमारे प्रतिस्पर्धियों की तुलना में भारत को प्राप्त हुआ सबसे अच्छा समझौता है। यह हम सभी के लिए एक शानदार सौदा है। उन्होंने कहा कि सभी की ओर से, मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देता हूँ और आप सभी को बधाई देता हूँ, ज़्योंकि यह

व्यापार समझौता, जिसे प्रधानमंत्री ने कल अंतिम रूप दिया, वास्तव में भारत की अर्थव्यवस्था के लिए, भारत के सभी 140 करोड़ नागरिकों के लिए, प्रत्येक गरीब व्यक्ति, किसान, मछुआरे, गांवों में रहने वाले युवा पुरुष और महिला, हमारी बहनों और महिलाओं के लिए अपार अवसर लेकर आएगा।पीयूष गोयल ने कहा कि मेरा मानना ??है कि इस समझौते के माध्यम से हमारे एमएसएमई, हमारा इंजीनियरिंग क्षेत्र, हमारे इंजीनियरिंग क्षेत्र के सभी खिलाड़ी—चाहे वे ऑटो कंपोनेंट, इलेज़्ट्रिकल पार्ट्स का निर्माण करते हों, या अमेरिका में विभिन्न प्रकार के इंजीनियरिंग सामान बेचने का काम करते हों, या भविष्य में ऐसा करने की योजना बना रहे हों—हमारा कपड़ा क्षेत्र, हमारा रत्न और आभूषण क्षेत्र, हमारा चमड़ा क्षेत्र, हमारा समुद्री सामान क्षेत्र, सभी को इस समझौते के माध्यम से अनेक अवसर प्राप्त होंगे।

विपक्ष पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि यह बड़े दुर्भाग्य की बात है कि राहुल गांधी जैसे नकारात्मक सोच वाले नेता आज देश को गुमराह करने या भ्रमित करने की कोशिश कर रहे हैं। मैं राहुल गांधी के झूठ और धोखे की कड़ी निंदा करता हूँ। वे लोगों को गुमराह करना चाहते हैं, लेकिन यह सफल नहीं होगा। देश प्रगति कर रहा है। उन्हें भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनाने में कोई दिलचस्पी नहीं है। यूपीए सरकार में कांग्रेस के दस वर्षों के शासनकाल में उन्होंने अर्थव्यवस्था को बर्बाद किया, जनता को परेशान किया और विकास को रोक दिया।

कलिंग समाचार
THE KALINGA SAMACHAR
(A Hindi Daily News Paper)
PUBLISHED FROM ODISHA, JHARKHAND & CHATTISHGARH
FOR NEWS AND ADVERTISEMENT CONTACT
AT: QRS. NO. B/204, SECTOR-16
ROURKELA, PH. 0661-2646999
PRAKASH KUMAR DHAL (EDITOR)
E-mail: thekalingasamachar@gmail.com

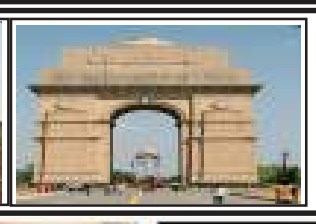

विविध समाचार

इन चीजों की मदद से करें अपने हैंडबैग की सफाई

ज्यादातर महिलाएं अपने लंच बॉक्स से लेकर खाने की छोटी चीजें भी पर्स में रखती हैं। ऐसे में पर्स काफी ज्यादा गंदा हो जाता है। अगर आपका भी हैंडबैग महंगा है और काफी जल्दी गंदा हो गया है तो आपको कुछ आसान हैक्स की मदद से अपने हैंडबैग की सफाई करनी होगी। आज के इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे कि आप कैसे अपने हैंडबैग की मिनटों में सफाई कर सकती है।

फालतू कागजात हटा दें

हैंडबैग में रखा फालतू कागजात को आपको हटाना होगा। यह हैंडबैग को काफी ज्यादा गंदा करते हैं। इतना ही नहीं, इसके कारण आपके बैग में सामान रखने की भी जगह नहीं होती है। अगर हैंडबैग की सफाई करनी है तो इन चीजों को हटाना होगा।

ड्राई क्लीन करें

आप अपने हैंडबैग को समय- समय पर ड्राई क्लीन करते रहना चाहिए। इससे बैग क्लीन रहता है। ड्राई क्लीन करने के लिए बैग में रखा सारा सामान निकालना होगा और सूती कपड़ों की मदद से पूरे हैंडबैग की सफाई करनी होगी। ऐसा करने से आपका हैंडबैग साफ हो जाएगा।

टिफिन ध्यान से रखें

अगर आप अपने बैग में टिफिन रखती है तो टिफिन को किसी बैग में करके रखना चाहिए। इससे आपके बैग में गंदी वाली चीजे नहीं गिरेगी। यह आपके महंगे हैंडबैग को खराब कर सकता है। हालांकि इस स्थिति में आपको अपने हैंडबैग को पानी की मदद से धोना होगा। बार- बार हैंडबैग को धोने से यह पुराना हो सकता है। ऐसे में आपको इन चीजों का खास ध्यान रखना है।

इन बातों का रखें ध्यान

- हैंडबैग की सफाई करते समय जल्दबाजी ना करें।
- हैंडबैग की सफाई के समय हार्ड ब्रश का इस्तेमाल ना करें।
- हैंडबैग की सफाई के समय डिटर्जेंट का इस्तेमाल ना करें।

इन चीजों से करें सफाई

- हैंडबैग की सफाई गुनगुना पानी से करें
- हैंडबैग की सफाई लिक्विड डिटर्जेंट से करें
- हैंडबैग की सफाई स्टीमर से करें

नकली शॉपिंग वेबसाइट को पहचानने के ये तरीके आप भी जानें

बाद में नहीं होगा पछतावा

टेक्नोलॉजी के इस जमाने में लोग बाहर जाने से ज्यादा ऑनलाइन शॉपिंग करना ही पसंद करते हैं। अगर आप भी ऑनलाइन शॉपिंग करना पसंद करती हैं तो आपको बता दें इन दिनों कई लोग बड़े- बड़े ब्रांड्स के नाम पर नकली शॉपिंग वेबसाइट बना देते हैं। ऐसे में आपको इन वेबसाइट से बचकर रहना चाहिए। अब आप सोच रहे होंगे आखिर नकली वेबसाइट के बारे में कैसे पता करें कि यह असली वेबसाइट है या नकली।

ऑनलाइन कई शॉपिंग वेबसाइट ऐसे हैं जो यूजर्स से पैसे तो ले लेते हैं लेकिन उनका सामान उन तक नहीं पहुचाते हैं। चलिए जाने कैसे आप फर्जी वेबसाइट को पहचान सकती है।

खराब वेबसाइट डिजाइन

अगर आप किसी वेबसाइट पर पहली बार गए हैं तो आपका ध्यान उस वेबसाइट के डिजाइन पर जा रहा होगा। ऐसे में अगर आपको वह देखने में अजीब लगे तो आपको सावधान हो जाना चाहिए। वेबसाइट अपने डिजाइन पर काफी ज्यादा ध्यान देते है। ऐसे में फर्जी वेबसाइट इन चीजों पर ध्यान नहीं देते। वह लोकल डिजाइन बना देते हैं। ऐसे में आप फर्जी वेबसाइट को पकड़ सकती है।

अधूरी प्रोडक्ट की जानकारी

अगर आप किसी प्रोडक्ट के देख रहे हैं और उस प्रोडक्ट के बारे में पूरे तरीके से जानकारी नहीं दी गई है तो आपको तुरंत समझ जाना है की वह वेबसाइट फर्जी है। असली वेबसाइट अपने प्रोडक्ट की पूरे तरीके से जानकारी देते हैं। वहीं

अगर आप भी ऑनलाइन शॉपिंग करना पसंद करती हैं तो आपको बता दें इन दिनों कई लोग बड़े- बड़े ब्रांड्स के नाम पर नकली शॉपिंग वेबसाइट बना देते हैं। ऐसे में आपको इन वेबसाइट से बचकर रहना चाहिए। अब आप सोच रहे होंगे आखिर नकली वेबसाइट के बारे में कैसे पता करें कि यह असली वेबसाइट है या नकली।

नकली की करें तो वह ज्यादा से ज्यादा प्रोडक्ट सस्ते दाम पर देते है। ताकि लोग उसका कम दाम देखकर तुरंत उसे आर्डर करें।

इन 3 टिप्स की मदद से पहचानें फेक वेबसाइट

आजकल कई सारे साइबर अपराध हो रहे हैं। अलग-अलग तरह के ऑफर और डिस्काउंट के बारे में बता कर कई फेक वेबसाइट की मदद से ऑनलाइन ठगी हो रही है लेकिन अगर आप इन साइबर अपराध से बचना चाहती है तो आपको फेक वेबसाइट को पहचान करना आना चाहिए। इस लेख में हम आपको बताएंगे कि आप कैसे फेक वेबसाइट की पहचान कर सकती है।

चेक करें वेबसाइट का एड्रेस टाइप

आपको वेबसाइट का एड्रेस टाइप सबसे पहले चेक करना चाहिए। आपको बता दें कि वेबसाइट के एड्रेस में कई तरह की जानकारी होती है जिससे आप यह पता कर सकते हैं कि वेबसाइट फेक है या नहीं। अगर साइट का यूआरएल एचटीटीपीएस से शुरू होता है तो ज्यादातर ऐसी वेबसाइट असली होती हैं लेकिन कई बार फेक वेबसाइट की तरह ही यूआरएल फेक वेबसाइट के ठग भी बना लेते है। आप वेबसाइट को ओपन करने से पहले माउस को लिंक पर ले जाएं। इससे यूआरएल और हाइपरलिंक पॉप अप के रूप मे दिख जाएगा। जिससे आपको वेबसाइट की पहचान करने में मदद मिलेगी। इस तरह से आप यह पता कर पाएंगी की वेबसाइट फेक है या फिर असली है।

ऐसे करें चेक

वेबसाइट पर लिखी गई अंग्रेजी को भी चेक करें और साथ ही आपको वेबसाइट के डोमेन नेम को जरूर चेक करना चाहिए। इसके अलावा आपको यह भी चेक करना चाहिए कि वेबसाइट में नीचे स्क्रॉल करने पर कॉपीराइट संबंधी जानकारी दी गई है या फिर नहीं। साथ ही आपको यह भी देखना चाहिए कि यूआरएल के आगे लॉक का निशान बना हुआ है कि नहीं। अगर यूआरएल के आगे लॉक का निशान बना होता है तो यानी की वह फेक वेबसाइट नहीं होती है। इन सभी चीजों को ध्यान रखकर आप यह पता कर सकती है कि वेबसाइट फेक है या फिर असली वेबसाइट है।

देखें वेबसाइट सर्टिफिकेशन

अगर आप वेबसाइट के होमपेज और लॉगिन पेज पर एसएसएल सर्टिफिकेशन को चेक करेंगी तो आपको यह पता चल जाएगा कि वेबसाइट फेक है या फिर वेबसाइट असली है। इसके साथ ही आपको यह भी चेक करना चाहिए कि वेबसाइट पर कई आक्रामक विज्ञापन है या नहीं क्योंकि अगर आप वेबसाइट खोलती हैं और साइट पर कई तरह के आक्रामक विज्ञापन आपको नजर आते हैं तो समझ जाएं कि वह विज्ञापन वायरस से जुड़े हुए भी हो सकते है इसलिए आपको इन वेबसाइट पर तुरंत भरोसा करके अपनी पर्सनल जानकारी को शेयर नहीं करना चाहिए।

बनना चाहती हैं बेस्ट बहू, तो शादी के बाद ससुराल वालों को ऐसे करें इंप्रेस

शादी के बाद लड़कियों के मन में अलग-अलग तरह की बातें चलती रहती हैं। वह सोचती हैं कि आखिर ऐसा कौन सा तरीका अपनाया जाए जिससे वो ससुराल वालों का दिल जीत लें। इस दौरान वो खाना बनाने से लेकर बातचीत का हर वो तरीका अपनाती हैं। बता दें कि ससुराल जाने के बाद लड़कियों के जीवन में कई तरह के बदलाव आते हैं, इस दौरान उन्हें नए तौर-तरीकों से अपने जीवन की शुरुआत करनी पड़ती है।

वहीं ससुराल वालों को इंप्रेस करना हर लड़की के लिए किसी मुश्किल टास्क से कम नहीं। कहा जाता है कि अगर ससुराल वालों के दिल में जगह बनाना चाहती हैं तो सबसे पहले दुल्हन को अपने सास-ससुर का दिल जीतना होगा। ऐसे में आज हम बताएंगे कुछ ऐसे तरीके जिसकी मदद से आप न सिर्फ ससुराल वालों को इम्प्रेस कर सकती हैं बल्कि बेस्ट बहू भी बन सकती है।

पार्टनर की लें मदद

घर में आने के बाद हर किसी को समझने के लिए अपने पार्टनर की मदद लें। अगर किसी का बर्ताव आपके प्रति सही नहीं है तो उस बारे में उनसे चर्चा करें। पार्टनर आपको सभी से मिलने में मदद कर सकता है और बेहतर राय दे सकता है। नए घर में चीजों को बेहतर तरीके से करने के लिए उनसे सलाह लेती रहें।

घर के किसी एक सदस्य को बनाएं दोस्त

ससुराल में कई ऐसे लोग होते हैं जो जल्द ही आपके दोस्त बन जाते हैं। इसमें देवर या फिर ननद कोई भी हो सकता है। ऐसे में उनकी पसंद को जानें और पर्सनल बॉन्ड बनाएं। जिससे आप दोनों एक दूसरे से खुलकर बात कर सकें और अपनी बातें शेयर कर सकें। घर में किसी एक से अच्छी बॉन्डिंग होने से आप बाकी लोगों के बारे में अच्छी तरह जान सकती है।

हर किसी को खुश करने न करें कोशिश

कोशिश करें कि सभी आपके काम या फिर व्यवहार को पसंद करें। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि आप जबरदस्ती काम करें। इसके अलावा अगर आपको कुछ बातें पसंद नहीं है तो सीधे ना कर दें। ऐसा जरूरी नहीं कि आप हर किसी की बातों पर हंसे या फिर हां में हां मिलाएं। दूसरों को जानने के अलावा खुद के बारे में भी लोगों को जानने दें। यह बेहद जरूरी है कि घर के बाकी सदस्यों की तरह आपको भी उतना ही सम्मान मिले।

किसी के लिए न बनाएं गलत धारणा

सास और ससुर के प्रति पहले से गलत धारणा न बनाएं बल्कि उन्हें समझने के लिए वक्त लें। हर वक्त उनसे बात करें और अच्छी बॉन्डिंग बनाएं। आमतौर पर सास की नेगिटिव छवि बनाई जाती है, ससुराल में घर के बाकी सदस्यों की तरह उन्हें भी अपना प्यार दें और उनके साथ बेहतर रिश्ता बनाएं।

सोच-समझकर बातें करें शेयर

लोग आपसे पर्सनल लाइफ या फिर शादी से पहले के रिलेशनशिप को लेकर सवाल कर सकते हैं। ऐसे में सबकुछ बताने के बजाय उन्हीं बातों को शेयर करें जो आप बताना चाहती है। कई बार ऐसा होता है जब आपकी पास्ट रिलेशनशिप का प्रभाव आपकी मैरिड लाइफ पर भी पड़ सकता है। इसलिए अपनी पसंद या फिर ख्वाहिशों के बारे में बताएं।

अपने कपड़ों से करें इंप्रेस

कई लड़कियों को अपनी पसंद के कपड़े पहनने की आदत होती है। ऐसे में जब कोई फंक्शन या फिर त्योहार हो तो उसके हिसाब से कपड़े पहने। नई नवेली दुल्हन को हर कोई देखना चाहता है, ऐसे में आप अच्छी तरीके से तैयार होती है तो लोग आपकी तारीफ करेंगे। आपकी तारीफ से ससुराल वाले भी खुश होंगे।

फैमिली के शिष्टाचार में दिखाएं रुचि

हर एक परिवार के अपने नियम होते हैं और भले ही आपको इसकी आदत नहीं है लेकिन उनके साथ भागीदारी जरूर बनायें। घर की खुशी के लिए उनके नियमों का पालन करें, लेकिन अगर आपको कुछ नियम नहीं पसंद तो उन्हें इस बारे में बताएं। उन्हें अपनी बातों से समझाएं कि आप ऐसा नहीं कर सकती है।

बच्चों के नखरे उठाने और पालन पोषण करने में आती है दिक्कत?

एक्सपर्ट से जान हैंडल करने के टिप्स

नखरे बच्चों का गहना है। बच्चे चंचल हों तो पिता की बात नहीं होती, लेकिन उनमें आवश्यकता से अधिक गंभीरता हो तो गरूर पिता होती है। लेकिन कभी-कभी बच्चों का नखरा संभालना मुश्किल हो जाता है। कब उनका नखरा जिद बन जाता है और कब जिद जी का जंजाल बन जाती है, माता-पिता समझ ही नहीं पाते। इसके लिए, मानसिक स्वास्थ्य और व्यवहार विज्ञान के प्रमुख मनोचिकित्सक डॉ. राहुल से जानें, बच्चों नखरे हैंडल करने के टिप्स।

जब हाथ से निकलने लगता है नखरा

अपने मन का न होने पर पैर पटकने लगना, चीखना-चिल्लाना, दीवार पर हाथ-पैर मारने लगना, काटना या जानबूझकर खाना छोड़ देना कुछ ऐसे लक्षण हैं, जो दिखाते हैं कि आपके बच्चे का नखरा अब जिद में बदल चुका है और आपको उसे संभालने के लिए मेहनत करनी होगी। इस बिंदु पर अगर आपने संयम खोया तो बच्चे को संभालना मुश्किल हो सकता है। सामान्य तौर पर दो साल की उम्र के बाद से बच्चे इस तरह के नखरे दिखाने लगते हैं।

नखरे का कारण समझिए

इस उम्र में बच्चे अमतौर पर हताशा के कारण जिद करने लगते हैं। होता यह है कि बच्चे अपनी बात को पूरी तरह प्रकट नहीं कर पाते हैं। मन और भावनाओं की तुलना में उनका संवाद कम विकसित होता है, इसी कारण उन्हें हताशा होने लगती है। इसी हताशा में बच्चे जिद करते हैं। अगर आप उनकी बात समझ लें तो उन्हें समझाना आसान हो जाता है।

शांत बने रहिए

जब बच्चा नखरे कर रहा हो तो आपका शांत बने रहना जरूरी हो जाता है। नम्रता के साथ-साथ आपको दृढ़ता से उसे समझाना चाहिए। कोशिश कीजिए वह किसी भी तरह खुद को नुकसान न पहुंचाए। उसे उन चीजों या परिस्थितियों से दूर रखिए, जिनसे उसे गुस्सा आता है। उसे डांटने के बजाय संभलने का मौका दीजिए। जैसे ही लगे कि बच्चा कोई जिद करने वाला है, बिना ज्यादा प्रतिक्रिया दिए उसे वहां से हटाकर किसी और बात में बहला दीजिए।

दिल पर मत लगाइए बात

ऐसी स्थिति में बच्चे बहुत कुछ ऐसा कह या कर देते हैं, जो माता-पिता के रूप में आपको बुरा लग सकता है। उन बातों को दिल से लगाकर गुस्सा मत होइए। न ही आपको उसके व्यवहार के लिए स्वयं को दोषी मानने की जरूरत है। ध्यान रखिए कि बच्चा जो कर रहा है उसका कारण आप नहीं, उसकी हताशा है। बच्चा किसी सार्वजनिक स्थान जैसे मॉल या पार्क आदि में ऐसा करे, तब आपका धैर्य रखना और भी जरूरी हो जाता है।

रखें इन बातों का ध्यान

घर में कोई मेहमान आने वाला हो तो बच्चे को पहले से उसके बारे में बता दें। ऐसे मामलों में बच्चे ज्यादा सरप्राइज पसंद नहीं करते हैं। बच्चों को प्रेम से समझाइए कि मेहमानों के सामने कैसा व्यवहार करना चाहिए। इसके अलावा, अगर बच्चों को कहीं लेकर जाएं तो कोशिश करें कि उनका पसंदीदा खिलौना साथ रहे। इससे बच्चे को संभालना आसान हो जाता है।

कलिंग समाचार

संपादकीय

बुधवार 04 फरवरी 2026

सांप्रदायिकता की आंच में तपती देवभूमि

हमारा देश जब लोकतंत्र की स्थापना के 78वें वर्ष की ओर कदम बढ़ा रहा था, तब देवभूमि कहे जाने वाले उसके ही एक प्रान्त में एक सदी से भी ज़्यादा पुरानी विरासत पर भद्दी गालियों, जय श्रीराम और बजरंग बली की जय जैसे आक्रामक नारों के साथ हथौड़े और सब्बल चलाये जा रहे थे, वहां रखे धार्मिक ग्रंथों को नुकसान पहुंचाया जा रहा था और धार्मिक उन्माद फैलाने की कोशिश की जा रही थी। दरअसल, मसूरी के एक मिशनरी स्कूल की निजी ज़मीन पर स्थित बाबा बुल्ले शाह की मजार बहुसं यक गुंडागर्दी की बलि चढ़ गई। उसके साथ मौजूद दो अन्य मज़ारों को भी तोड़ दिया गया, वहीं दानपेटी को तोड़कर नकदी निकाल ली गई। भाईचारे और सौहार्द्र का प्रतीक रही बुल्ले शाह की मज़ार के परिसर में रविवार की शाम मुट्ठी भर हिन्दूवादी जूते पहनकर घुस गये और अपने घटिया इरादों को अंजाम दिया। इस घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया। मसूरी पुलिस ने तीन नामजद आरोपियों सहित 25-30 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस बीच हिन्दू रक्षा दल के अध्यक्ष भूपेंद्र उर्फ पिंकी चौधरी ने अपने संगठन के कार्यकर्ताओं द्वारा इस तोडफ़ोड़ की ज़ि मेदारी ली है। पुलिस कब और कैसे इस दावे का संज्ञान लेती है, देखना होगा। हालांकि इस पूरे प्रकरण में राहत की बात ये रही कि पुलिस में शिकायत करने जाने वालों में केवल मुस्लिम संगठन ही नहीं, दूसरे समुदायों के लोग भी शामिल थे। बाबा बुल्ले शाह- जिन्हें बुल्लेया कहकर भी संबोधित किया जाता है, एक क्रांतिकारी दार्शनिक, समाज सुधारक और कवि थे, जिन्हें पंजाबी भाषा के महानतम कवियों में से एक माना जाता है और जिनका स मान पंजाबी ज्ञानोदय के जनक% के रूप में है। उनका असल नाम सैयद अब्दुल्लाह शाह कादरी था और उन्हें हज़रत मुहमद साहब की पुत्री फातिमा का वंशज माना जाता है। उनके पिता शाह मुह मद थे जिन्हें अरबी, फारसी और कुरान शरीफ़ का अच्छा ज्ञान था। पिता के नेक जीवन का प्रभाव बुल्ले शाह पर भी पड़ा और शायद इसीलिए सैयद यानी ऊंची जाति से होते हुए भी उन्होंने निचली जाति आराइन के शाह इनायत को अपना गुरु बनाया। हिन्दी और पंजाबी में अनगिनत गीत बुल्ले शाह की रचनाओं पर आधारित हैं या उनमें बुल्ले शाह का हवाला है। 1970 के दशक में नरेंद्र चंचल का गाया गीत- बेशक मंदिर-मस्जिद तोड़ो, बुल्ले शाह ये कहता / पर प्यार भरा दिल कभी न तोड़ो, जिस दिल में दिलबर रहता हरेक किशोर और युवा की ज़बान पर हुआ करता था। लगभग दो दशक पहले मशहूर पंजाबी गायक रब्बी शेरगिल ने बुल्ला की जाणा मैं कौन% गाकर तारीफें हासिल की तो करीब एक दशक पहले रणबीर कपूर पर फिल्माया गया यार बुल्लेया गीत भी काफ़ी लोकप्रिय हुआ। दमादम मस्त कलंदर तो बाबा बुल्ले शाह की सदाबहार रचना है ही। लेकिन धर्म का इकहरा और बेसुरा राग अलापने वाले जाहिल क्या जानें कि कविता क्या होती है और उसे संगीत में पिरोना क्या होता है, बुल्ले शाह की रचनाओं और उनके दर्शन को समझना तो बहुत दूर की बात है। इस संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता कि बुल्ले शाह की मज़ार पर हमला सुनियोजित ढंग से किया गया हो। ताज्जुब है कि एक हिन्दूवादी संगठन खुलकर इस हमले की जि मेदारी ले रहा है, लेकिन उसकी भनक तक पुलिस को नहीं लगी। क्या यह सीधे-सीधे पुलिस के निगरानी और सूचना तंत्र की असफलता नहीं है। वैसे, उत्तराखंड जिस तेजी से हिन्दुत्व की प्रयोगशाला बनता जा रहा है, उसे देखकर यह माना जा सकता है कि धर्म के नाम पर उपद्रव करने वालों को कहीं न कहीं से शह मिल रही है और कानून-व्यवस्था बनाये रखने के लिये ज़ि मेदार केवल खानापूरी कर रहे हैं। सबरंग इंडिया वेबसाइट ने इस पहाड़ी प्रदेश में हुई सांप्रदायिक घटनाओं पर नागरिक अधिकारों के संरक्षण के लिए गठित संघ (एपीसीआर) की तथ्यान्वेषी रिपोर्ट प्रकाशित की है, जिसमें 2021 और 2025 के बीच उत्तराखंड के कई जिलों में मुसलमानों को प्रभावित करने वाली सांप्रदायिक हिंसा, धमकी, बेदखली, विस्थापन और उनके धर्मस्थलों पर हमले की घटनाओं की एक श्रृंखला का दस्तावेजीकरण किया गया है।

भारत की विदेश नीति में बिखराव और दिशाहीनता का दौर

राजेश पांडेय

अमेरिका से ठंडे रिश्तों को देखते हुए भारत ने चीन की तरफ नए सिरे से पहल की है। वैसे, यहां भी दांव उल्टे साबित हो रहे हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था को धीरे-धीरे चीन के लिए खोलने पर विचार किया जा रहा है। चीनी कामगारों के लिए बिजनेस वीजा प्रक्रिया को सरल किया जा चुका है। निवेश से जुड़े कुछ प्रतिबंधों को हटाने की तैयारी है। पिछले कुछ वर्षों से भारत की विदेश नीति दिशाहीनता और अनिर्णय के घेरे में है। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हमारी आवाज पहले जैसी असरदार नहीं रही। बीते कुछ समय का घटनाक्रम अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की कमजोर तस्वीर पेश करता है। वर्तमान स्थिति को समझने के लिए अतीत पर गौर करना जरूरी है।

कुछ उदाहरण बताते हैं कि पहले भारत को अमेरिका तक हल्के में नहीं ले सकता था। 1950 से 1990 के बीच आर्थिक रूप से बहुत ताकतवर नहीं होने के बावजूद भारत का महत्व था। दो महाशक्तियों- अमेरिका और सोवियत संघ के मध्यशीत युद्ध के दौर में देश की प्रासंगिकता बनी रही। पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की अगुआई में गुटनिरपेक्ष आंदोलन ने देशों के बीच तनाव खत्म करने में अहम भूमिका निभाई थी। निर्गुट देशों की पहल से अफ्रीका के कई देशों को आजादी मिली। दक्षिण अफ्रीका में रंगभेदी शासन खत्म करने में उसकी निर्णायक भूमिका रही। एशिया, अफ्रीका और लेटिन अमेरिका के कई देशों को शांति, अहिंसा और मानवता के भारतीय मूल्य प्रेरित करते थे। हालांकि, 1962 में चीन से अपमानजनक पराजय के बाद भारत की साख को आघात लगा था। लेकिन, 1971 में पाकिस्तान से युद्ध में निर्णायक विजय ने भारत का दबदबा बढ़ाया। इंदिरा गांधी के साहस और कूटनीतिक पहल से बांग्लादेश अस्तित्व में आया। दूसरे विश्वयुद्ध के बाद वह पहला मौका था जब विश्व के नक्शे पर किसी नए देश का उदय हुआ था।

पाकिस्तान से युद्ध छिड़ने से पहले भारत ने हर मोर्चे पर दूरदर्शिता दिखाई थी। भारत का पक्ष रखने के लिए जबर्दस्त कूटनीतिक अभियान छेड़ा गया। खुद इंदिरा गांधी ने अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी सहित कई देशों की यात्रा की थी। उनके अलावा विदेश मंत्री स्वर्ण सिंह और अन्य राजनयिकों ने वैश्विक नेताओं को समझाया कि तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान में पाक सेना के जनसंहार और अत्याचारों की वजह से लगभग एक करोड़ शरणार्थी भारत आ चुके हैं।

इस बीच भारत ने सोवियत संघ (अब रूस)से सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण शांति संधि कर ली। इसमें प्रावधान था कि दोनों में से किसी भी देश पर हमले को एक-दूसरे पर हमला माना जाएगा। इस वजह से युद्ध में अमेरिका हस्तक्षेप नहीं कर सका था। उस वक्त इंदिरा गांधी की दृढ़ता ने अमेरिका के राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन को बेबस कर दिया था। अमेरिका ने भारत पर दबाव डालने के लिए नौसेना का सातवां बेड़ा बंगाल की खाड़ी में तैनात किया। युद्ध खत्म हो गया। बांग्लादेश बन गया। पाकिस्तान की अपमानजनक हार हो गई लेकिन अमेरिका की दखल देने की हि मत नहीं पड़ी थी।

नवंबर 1971 में निक्सन से मुलाकात में इंदिरा गांधी के स त तेवरों की झलक तब के अमेरिकी विदेश मंत्री हेनरी कीसिंजर के संस्मरणों में मिलती है। कीसिंजर लिखते हैं, इंदिरा गांधी के जाने के बाद जब मैं राष्ट्रपति से मिला तो उनका चेहरा पीला पड़ गया था। वे कुछ देर तक खामोश बैठे रहे। इन घटनाओं पर नजर डालते हुए आज की स्थिति देखिए। अमेरिका ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी का अपहरण कर लिया। उन्हें न्यूयॉर्क की एक जेल में रखा गया है। इस मामले में भारत सरकार ने अपनी प्रतिक्रिया में अमेरिका का नाम तक लेने से परहेज किया है। विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि, हम घटनाओं पर नजर बनाए हुए हैं। सभी पक्षवार्ता से मसले को सुलझाने का प्रयास करें। भारत तो अमेरिका की मिजाज़पुर्सी कर रहा है लेकिन ट्र प पर अब तक कोई असर नहीं पड़ा है। वे लगातार भारत की अनदेखी कर रहे हैं।

ट्र प बार-बार पिछले साल ऑपरेशन सिंदूर के बीच हुए भारत-पाक टकराव को रोकने का श्रेय लेते हैं। जबकि भारत का कहना है कि किसी पक्ष की मध्यस्थता के कारण संघर्षविराम नहीं हुआ था। अमेरिकी टैरिफ के दबाव में भारत ने रूस से तेल की खरीद काफी कम कर दी है। 2019 में प्रतिबंधों की धमकी के बाद ईरान से भी तेल की खरीद बंद कर दी गई थी। वहीं चीन ने तेल की खरीद जारी रखी है। डोनाल्ड ट्र प प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना अच्छा दोस्त कहते नहीं थकते हैं। मोदी ने तो अमेरिका जाकर ट्र प के पक्ष में चुनाव प्रचार किया था। यह राजनीतिक और कूटनीतिक दृष्टि से वाजिब नहीं था। भारत के नीति-निर्माताओं ने नहीं सोचा कि कूटनीति के तकाजे में निजी रिश्तों के कोई मूल्य नहीं होते हैं। बहरहाल, ट्र प ने भारत को एक और झटका दिया है। खबर है कि भारत को अप्रैल तक ईरान के चाबहार बंदरगाह के काम से हाथ समेटना पड़ेगा। इस बंदरगाह से भारत को पश्चिम एशिया से होते हुए यूरोप तक आसान पहुंच मिल सकती है। चाबहार से हटने पर भारत के सामरिक और व्यावसायिक हितों को नुकसान होगा।

अमेरिका से ठंडे रिश्तों को देखते हुए भारत ने चीन की तरफ नए सिरे से पहल की है। वैसे, यहां भी दांव उल्टे साबित हो रहे हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था को धीरे-धीरे चीन के लिए खोलने पर विचार किया जा रहा है। चीनी कामगारों के लिए बिजनेस वीजा प्रक्रिया को सरल किया जा चुका है। निवेश से जुड़े कुछ प्रतिबंधों को हटाने की तैयारी है। चीन भारत के विशाल बाजार से फायदा उठाने के लिए थोड़ी रियायतें देता रहता है। हालांकि, वह सामरिक तौर पर अपनी नीतियों से पीछे नहीं हट रहा है। वह अरुणाचल प्रदेश पर अपना दावा दोहराता है। अभी हाल में उसने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में शक्सगाम घाटी पर भारत के दावे को नामंजूर कर दिया है। 1963 में पाक ने एक समझौते के तहत सियाचिन ग्लेशियर के पश्चिम में स्थित पांच हजार वर्ग किलोमीटर में फैली शक्सगाम घाटी चीन को दे दी थी। 9 जनवरी को भारत ने घाटी में चीन-पाकिस्तान इकानॉमिक कॉरिडोर के तहत चीन के निर्माण को अवैध बताया था। भारतीय प्रवक्ता ने कहा कि शक्सगाम भारत का अभिन्न अंग है। जवाब में चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह इलाका हमारा है।

भारत और चीन के बीच सीमाओं को लेकर तनातनी वर्षों से जारी है। फिर भी कारोबार अंधाधुंध र तार से दौड़ रहा है। नए आंकड़ों के मुताबिक 2025 में चीन से भारत का व्यापार घाटा 10 लाख करोड़ रुपए के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। यहां 11 जनवरी को भाजपा और आरएसएस के नेताओं से चीन की सत्तारूढ़ क युनिस्ट पार्टी के प्रतिनिधि मंडल की मुलाकात पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए। 2017 में कांग्रेस नेता राहुल गांधी से चीन के राजदूत की मुलाकात पर भाजपा ने जमकर एतराज जताया था। भाजपा ने इसे दोनों देशों के बीच संबंधों में सुधार का नतीजा बताया है। दो देशों के राजनीतिक दलों के बीच संवाद में कोई हर्ज नहीं होना चाहिए। यह सामान्य गतिविधि है। इसलिए भाजपा का चीन के राजदूत से राहुल गांधी की मुलाकात पर आसमान सिर पर उठाना और अपने नेताओं से चर्चा को सामान्य बताना विरोधाभासी है। एनडीए सरकार अमेरिका, चीन के दबाव को चुपचाप सहन करती है या कमजोर प्रतिक्रिया दिखाती है। लेकिन कमजोर देशों पर वह बरस पड़ती है। उसकी कूटनीतिक कमजोरी सामने रखने के लिए एक-दो उदाहरण काफी हैं।

लंबे समय तक बांग्लादेश से भारत के मधुर रिश्ते रहे हैं। अगस्त 2024 में शेख हसीना सरकार का पतन होने के बाद वहां भारतविरोध की आग भड़क उठी है। हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है। बांग्लादेश में इस वक्त कट्टरपंथी तत्वों का बोलबाला है। कुछ हिंदुओं की हत्या के बाद भारतीय क्रिकेट कं ट्रोल बोर्ड ने इंडियन प्रीमियर लीग की टीम कोलकाता नाइट राइडर्स में बांग्लादेश के खिलाड़ी मुस्तफिजुर रहमान के खेलने पर पाबंदी लगा दी। मुस्तफिजुर के खिलाफ सोशल मीडिया पर जमकर मुहिम छेड़ी गई। मुस्तफिजुर को हटाए जाने के बाद बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने जवाबी कार्रवाई की। उसने फरवरी में भारत में होने वाले टी-20 वर्ल्डकप मैचों के बायकॉट का ऐलान कर दिया। मुस्तफिजुर के खिलाफ भारत की कार्रवाई को सत्ताधारी दल की राजनीति का हिस्सा माना जा रहा है। पश्चिम बंगाल में विधानसभा के चुनाव इस साल हैं। लिहाजा, बांग्लादेश से भारत में घुसपैठ को मु य मुद्दा बनाने की पृष्ठभूमि तैयार हो चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषणों में घुसपैठ का ज़िक्रहोने लगा है।

इस हलचल के बीच 19 जनवरी को बांग्लादेश में चीन के राजदूत ने सामरिक रूप से महत्वपूर्ण सिलीगुड़ी कॉरिडोर में तीस्ता प्रोजेक्ट का दौरा किया। चीन इस प्रोजेक्ट में बांग्लादेश की मदद कर रहा है। भारत-बांग्लादेश के बीच तीस्ता नदी पानी के बंटवारे का मामला कई दशकों से अटका पड़ा है। पश्चिम बंगाल सरकार समझौते का विरोध कर रही है। बांग्लादेश ने चीनी राजदूत को तीस्ता प्रोजेक्ट की यात्रा कराकर अपने भारत विरोधी एजेंडा को धार देने की कोशिश की है।

पोलैंड एक अन्य छोटा देश है जिसको भारत ने अभी हाल में स त मैसेज दिया है। पूर्व सोवियत संघ के समय पोलैंड सोवियत खेमे में था। अब वह अमेरिका का सहयोगी है। पोलैंड और पाकिस्तान के संबंध तेजी से बेहतर हो रहे हैं। पिछले साल अक्टूबर में पोलैंड के विदेश मंत्री रादोस्ला सिकोरस्की इस्लामा बाद गए थे। 19 जनवरी को जब सिकोरस्की नई दिल्ली में जयशंकर से मिले तो भारतीय विदेश मंत्री ने कहा कि उन्हें भारत के पड़ोस में आतंकवादी इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देने की बजाय आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरें स दिखाना चाहिए। जयशंकर पोलैंड जैसे छोटे देश को स त लहजे में समझा सकते हैं पर वे अमेरिका, चीन के मामले में कुछ नहीं बोलते हैं। इससे भारतीय विदेश नीति की कमजोरी सामने आती है। इन दिनों भारत को विश्वगुरू बनाने का जुमला अक्सर सुनाई पड़ता है। लेकिन थोथे बयानों, अपनी पीठ थपथपाने, विदेश यात्राओं में नारे लगवा कर इमेज चमकाने से किसी देश की आवाज असरदार नहीं हो जाती है।

पैसे से पिछड़ता न्याय

अमरपाल सिंह वर्मा

देश की जेलों में आज भी बड़ी सं या में ऐसे कैदी बंद हैं जिन्हें अदालतें जमानत या पैरोल दे चुकी हैं, लेकिन पैसे के अभाव में वे सलाखों के पीछे पड़े हैं। कई ऐसे भी हैं जिनकी सजा की अवधि पूरी हो चुकी है मगर जुर्माना भरने में असमर्थ होने के कारण उन्हें रिहाई नहीं मिल पा रही। इस तरह कानून की प्रक्रिया पूरी हो जाने के बाद भी कैद केवल इसलिए जारी रहती है क्योंकि वह व्यक्ति गरीब है। राजस्थान हाईकोर्ट ने हाल में उम्रकैद की सजा भुगत रहे एक कैदी खरताराम की चिट्ठी को याचिका मानकर सुनाए गए अपने फैसले में कहा है कि गरीबी कोई अपराध नहीं है और न ही यह किसी व्यक्ति को उसके अधिकारों से वंचित करने का आधार बन सकती है। पाली जिले का निवासी खरताराम हत्या के एक मामले में 2014 से सजा काट रहा है।

%जिला पैरोल कमेटी% ने 29 सितंबर 2025 को उसे चौथी बार 40 दिन की नियमित पैरोल पर रिहा करने का आदेश दिया, लेकिन इसके साथ 25-25 हजार रुपए के दो जमानती पेश करने की शर्त जोड़ दी गई।

आर्थिक रूप से बेहद कमजोर होने के कारण खरताराम यह शर्त पूरी नहीं कर सका। उसके पास वकील तक के पैसे नहीं थे, इसलिए उसने जेल से ही पोस्टकार्ड भेजकर हाईकोर्ट से गुहार लगाई। हाईकोर्ट ने न केवल उसकी याचिका सुनी, बल्कि इस फैसले को ऐसे मामलों में एक नजीर के रूप में स्थापित कर दिया। अदालत ने स्पष्ट कहा कि पैरोल या जमानत की शर्तें तय करते समय अधिकारियों को मशीनी रवैया छोड़कर मानवीय और संवैधानिक दृष्टि अपनानी होगी। यह फैसला केवल एक कैदी को राहत देने तक सीमित नहीं है, बल्कि उस व्यापक समस्या की ओर इशारा करता है जिसमें देश के हजारों गरीब कैदी फंसे हुए हैं। सवाल केवल पैरोल का नहीं है। सवाल उस व्यापक ढांचे का है, जहां जमानत, पैरोल और अर्थदंड जैसे कानूनी प्रावधान गरीब व्यक्ति के लिए राहत नहीं, बल्कि नई सजा बन जाते हैं।

देश की जेलों में आज भी बड़ी सं या में ऐसे कैदी बंद हैं जिन्हें अदालतें जमानत या पैरोल दे चुकी हैं, लेकिन पैसे के अभाव में वे सलाखों के पीछे पड़े हैं। कई ऐसे भी हैं जिनकी सजा की अवधि पूरी हो चुकी है मगर जुर्माना भरने में असमर्थ होने के कारण उन्हें रिहाई नहीं मिल पा रही।

इस तरह कानून की प्रक्रिया पूरी हो जाने के बाद भी कैद केवल इसलिए जारी रहती है क्योंकि वह व्यक्ति गरीब है। इसका सबसे सीधा असर जेलों पर पड़ता है। जेलें अपनी निर्धारित क्षमता से कहीं अधिक भरी हुई हैं। विचाराधीन बंदियों की सं या बहुत अधिक है। जेलों में भीड़ के कारण कम जगह तथा सीमित संसाधनों का परिणाम खराब स्वास्थ्य सुविधाओं के रूप में आता है। जेलों में अपराधियों को रखने के पीछे सुधार का मूल उद्देश्य भटक चुका है। यह समस्या कितनी गंभीर है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि 26 नवंबर 2022 को %संविधान दिवस% के अवसर पर स्वयं राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू को कहना पड़ा कि देश की जेलों में हजारों ऐसे कैदी बंद हैं जिनके पास जमानत पर रिहाई का कोर्ट आदेश तो है, लेकिन जमानत राशि के पैसे नहीं हैं। उन्होंने अदालतों और सरकार से इन कैदियों के लिए समाधान निकालने की अपील की थी। राष्ट्रपति की इस टिप्पणी के दो दिन बाद ही सुप्रीम कोर्ट ने स्वत संज्ञान लेते हुए केंद्र और राज्यों से रिपोर्ट तलब कर ली। इसके बाद फरवरी 2023 में सर्वोच्च अदालत ने इस मुद्दे पर सात महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए। अदालत की मंशा साफ है कि जमानत आदेश की सार्थकता तभी है, जब वह वास्तव में किसी को जेल से बाहर ला सके। सुप्रीम कोर्ट के समक्ष पेश एक रिपोर्ट में सामने आया कि जनवरी 2023 तक 5,380 ऐसे कैदी थे, जिन्हें जमानत मिल चुकी थी, लेकिन वे अब भी जेलों में बंद थे। इन मामलों की वजह पैसे का अभाव ही था। 2023 में ही सुप्रीम कोर्ट ने ट्रायल अदालतों को निर्देश दिए कि वे जमानत की शर्तें तय करते समय कैदियों की आर्थिक स्थिति पर भी विचार करें। अदालत ने साफ शब्दों में कहा कि अगर जमानत की शर्तें कैदी की हैसियत से परे हैं तो ऐसी जमानत का कोई अर्थ नहीं रह जाता। राजस्थान हाईकोर्ट का फैसला भी इसी सोच की अगली कड़ी है। सुप्रीम कोर्ट की इसी संवैधानिक सोच का अनुसरण करते हुए राजस्थान हाईकोर्ट ने अब यह महत्वपूर्ण फैसला दिया है। इसमें हाईकोर्ट ने माना है कि पैरोल एक सुधारात्मक अधिकार है, यह अमीरों का विशेषाधिकार नहीं है। कोर्ट ने अधिकारियों की उस प्रवृत्ति पर कड़ी नाराजगी जताई है, जिसमें हर मामले में एक जैसी जमानत शर्तें थोप दी जाती हैं। यह भी नहीं देखा जाता कि कैदी उन्हें पूरा करने की स्थिति में है या नहीं। हाईकोर्ट द्वारा जारी की गई छह सूत्रीय गाइडलाइन से इस बात का संकेत मिलता है कि अदालतें अब केवल आदेश देने तक सीमित नहीं रहना चाहतीं, बल्कि उसके प्रभावी क्रियान्वयन पर भी बल देना चाहती हैं। अदालतें बार-बार निर्देश दे रही हैं, लेकिन बड़ा सवाल है कि नीतियों और आदेशों का क्रियान्वयन क्यों नहीं हो पा रहा? सुप्रीम कोर्ट पहले ही अनावश्यक गिर तारी, रिमांड और जमानत के बावजूद जेल में बंद रखने की प्रवृत्ति पर नाराजगी जता चुका है। कोर्ट ने गरीब कैदियों की मदद के लिए एक मानक प्रक्रिया और फंड की व्यवस्था की बात भी कही है, लेकिन अधिकांश राज्यों में यह पहल अमल तक पहुंचने के इंतजार में है। हाल में हरियाणा सरकार ने फैसला किया है कि वह गरीब कैदियों को जमानत या जुर्माना भरने में आर्थिक सहायता देगी। जमानत के लिए एक लाख रुपये तक और जुर्माने के लिए 25 हजार रुपये तक दिए जाएंगे। यह एक सकारात्मक कदम है जिसे अपवाद नहीं बल्कि नियम बनाया जाना चाहिए। सभी राज्यों को ऐसी योजनाएं लागू करनी होंगी। जमानत और पैरोल की शर्तें तय करते समय आर्थिक स्थिति का वास्तविक आकलन होना चाहिए। जिला स्तर पर ऐसे तंत्र विकसित करने की जरूरत है, जो यह सुनिश्चित करें कि किसी व्यक्ति को केवल गरीबी के कारण जेल में न रहना पड़े। गरीब कैदी अपनी बात अदालत तक पहुंचा सकें, यह सुनिश्चित करने के लिए कानूनी सहायता सेवाओं को मजबूत करना होगा। ऐसा जरूरी नहीं कि हर जज किसी कैदी के पोस्टकार्ड को याचिका मान ले। जेलों को दंड के नहीं बल्कि सुधार के स्थान के रूप में देखने की सोच विकसित करने की जरूरत है। ऐसा होने पर ही अदालती फैसलों को सही मायने में क्रियान्वित किया जा सकेगा। समाधान साफ हैं, बस इच्छाशक्ति की जरूरत है।

विविध समाचार

ड्रॉप फुट के मरीजों की लड़खड़ाहट होगी दूर, पीजीआई ने तैयार किया विशेष एंकल फुट आर्थोसिस

चंडीगढ़ ०३/०२ (संवाददाता): ड्रॉप फुट के मरीजों की चाल को आसान और बेहतर बनाने के लिए चंडीगढ़ पीजीआई के विशेषज्ञ ने पैक के साथ मिलकर विशेष प्रकार का एंकल फुट आर्थोसिस तैयार किया है। इस उपकरण की खास बात यह है कि इससे मरीज को थकान नहीं होगी वहीं उसकी बिगड़ी चाल में भी तेजी से सुधार होगा। पीजीआई के फिजिकल एंड रिहैबिलीटेशन मेडिसिन की डॉ. सौम्या ने पैक के मैकेनिकल इंजीनियरिंग के शोध छात्र के साथ मिलकर कार्बन फाइबर एंकल फुट आर्थोसिस बनाया है। वहीं इसका मरीजों पर सफल परीक्षण कर यह साबित किया है कि ये पहले के प्रचलित उपकरण की तुलना में ज्यादा कारगर और किफायती है। इस शोध को एल्जेवियर जरनल में प्रकाशित किया गया है। डॉ. सौम्या ने बताया कि ड्रॉप फुट के मरीजों के लिए प्लास्टिक, लकड़ी और मेटल के एंकल फुट आर्थोसिस तैयार किए जाते हैं।

ये मरीज को चलने में बाहरी सपोर्ट देता है। लेकिन लकड़ी और प्लास्टिक के एंकल फुट आर्थोसिस से मरीज को ज्यादा लाभ नहीं होता। वह जल्दी थक जाता है, उसकी चाल में बहुत धीमी गति से सुधार होता है। जबकि कार्बन फाइबर के एंकल फुट आर्थोसिस में पुनर्वास तेजी से होता है। लेकिन कार्बन फाइबल अन्य की तुलना में महंगा होता है। जिससे ज्यादातर मरीज उसका लाभ नहीं उठा पाते। परम्परागत एंकल फुट आर्थोसिस में बदलाव करते हुए उसे मरीज की सहूलियत के अनुसार तैयार करने की योजना बनाई गई। डॉ. सौम्या ने बताया कि कार्बन का कम से कम उपयोग कर मरीज को ज्यादा राहत देने के लिए प्लास्टिक का भी उपयोग किया। बेस में प्लास्टिक का उपयोग कर मुख्य प्वॉइंट पर कार्बन फाइबर का स्टक बनाया गया। इससे मरीज के चलने के दौरान उसकी उर्जा उस कार्बन स्टक में संचित होगी, जो मरीज को तेजी से थकने से बचाएगी। वहीं मुख्य प्वॉइंट पर लगाए गए कार्बन से मरीज को बेहतर सपोर्ट और तेज रिकवरी भी मिली। इस नोबल डिजाइन का प्रयोग 12 मरीजों पर किया। उन मरीजों के पहले के गेट रिपोर्ट और तैयार किए गए एंकल फुट आर्थोसिस के प्रयोग के बाद आए बदलाव को मापा गया। उसमें काफी सकारात्मक परिणाम सामने आए। मुख्य लक्षण कमजोरी या पैर उठाने में असमर्थता है। फुट ड्रॉप के कारण मरीज की चाल बदल जाती है, क्योंकि उन्हें अपने पैर की उंगलियों को जमीन से टकराने से बचाने के लिए अपने पैर को जमीन से ऊपर उठाना पड़ता है। इसे स्टेपेज गेट कहते हैं। चलते समय मरीज का पैर जमीन पर पटक भी सकता है। फुट ड्रॉप पैर और टखने के बाहर की मांसपेशियों को भी प्रभावित कर सकता है, इसलिए टखने को बगल की ओर धकेलना मुश्किल हो जाता है। एंकल–फुट ऑर्थोसिस (एएफओ) निचले पैर पर पहना जाने वाला एक कठोर ब्रेस है जो ड्रॉप फुट के मरीजों के चलने की सुरक्षा और दक्षता में सुधार करता है। एएफओ चाल स्थिरता प्रदान करते हैं, जोड़ों को ठीक से संरेखित रखते हैं, और मांसपेशियों की कमजोरी की भरपाई करने में मदद करते हैं।

पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय, पंजाब में अगले दो दिन बारिश के आसार, तीन डिग्री तक गिरेगा पारा

चंडीगढ़ ०३/०२ (संवाददाता): पंजाब में भीषण गर्मी के बीच मौसम विभाग की तरफ से राहत की खबर आई है। अगले दो दिन को तेज हवाओं के साथ बारिश होने की संभावना जताई गई है। विभाग के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की वजह से बुधवार को पंजाब के कई हिस्सों में 30–40 किलोमीटर की रफ्तार से हवाएं चलेंगी और बारिश हो सकती है। वीरवार को भी मौसम सुहावना बना रह सकता है। बारिश से तापमान में 2 से तीन डिग्री की गिरावट भी आ सकती है। मंगलवार को गर्मी से किसी तरह की राहत नहीं मिली। मैदान से लेकर पहाड़ तक 40 डिग्री से ऊपर के तापमान में तपे। पंजाब में समराला 45.8 डिग्री के साथ सबसे गर्म रहा।

हालांकि, बीते दिन के मुकाबले अधिकतम तापमान में 1.2 डिग्री की गिरावट रही, लेकिन अब भी ये सामान्य से 5.2 डिग्री ज्यादा रिकॉर्ड किया गया। न्यूनतम तापमान में भी 0.7 डिग्री की कमी दर्ज की गई। फिलहाल यह भी सामान्य से 4.6 डिग्री अधिक बना है। मौसम विभाग ने बुधवार के लिए बारिश के साथ ही लू का भी यलो अलर्ट जारी किया है।

प्रेम विवाह से नाखुश युवती के परिजनों ने घर में घुसकर की फायरिंग, नवविवाहिता की मौत, सास–ननद घायल

कैथल (हरियाणा)। प्रेम विवाह करने से नाराज युवती के परिजनों ने घर में घुसकर फायरिंग की। गोली लगने से नवविवाहिता की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि उसकी सास और ननद गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार, गांव क्योड़क निवासी युवती कोमल ने इसी साल फरवरी में नानकपुरी कॉलोनी निवासी युवक अनिल के साथ प्रेम विवाह किया था। युवती के परिजन इस प्रेम विवाह से नाखुश थे। बुधवार दोपहर करीब दो बजे बाइक सवार युवकों ने नवविवाहिता कोमल के घर में घुसकर कई राउंड फायर किए। गोली लगने से 22 साल की कोमल की मौत हो गई। जबकि उसकी ननद अंजलि और सास कांता गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने के बाद डीएसपी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और फोरेसिंग टीम ने अपने तथ्य जुटाने शुरू किए। पुलिस ने मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला नागरिक अस्पताल में भिजवा दिया है। जबकि घायलों को अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

पंजाब में 10 हजार पुलिसकर्मियों की होगी भर्ती, मुख्यमंत्री भगवंत मान ने की घोषणा

चंडीगढ़ ०३/०२ (संवाददाता): पंजाब पुलिस की कार्य क्षमता को बढ़ाने के लिए विभाग में 10 हजार नए पद सृजित कर भर्ती की जाएगी। नशा तस्करों पर नकेल कसने के लिए सभी एसएसपी के साथ के बैठक के बाद पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने यह घोषणा की है। इससे आने वाले समय में एक तरफ अपराध को रोकने में मदद मिलेगी, दूसरी ओर युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। सीएम मान ने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि नशा तस्करों की गिरफ्तारी के बाद एक सप्ताह के अंदर उनकी प्रॉपर्टी जब्त की जानी चाहिए। यह जानकारी सीएम मान ने अपने आवास पर पत्रकारों को दी। उन्होंने बताया कि नशे को जड़ से खत्म करने के लिए सरकार ने ने बहु–पक्षीय रणनीति बनाई है, जिसके तहत सरकार पुलिस विभाग में कई सुधार करने जा रही है। यह सामने आया है कि कई निचले स्तर के पुलिस मुलाजिमों की नशा तस्करों के साथ मिलीभगत है। यही कारण है कि निचले स्तर पर लंबे समय से एक ही स्थान पर तैनात पुलिस कर्मचारियों के बड़े स्तर पर तबादले किए जा रहे हैं। अलग–अलग डिवीजनों में तैनात 10 हजार से अधिक पुलिस कर्मचारियों के तबादले किए जा चुके हैं और तैनाती में रोटेशन की प्रक्रिया चल रही है। नशा तस्करों के साथ जिन पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों की मिलीभगत मिलेगी, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और उनको तुरंत बर्खास्त किया जाएगा। सीएम मान ने कहा कि अगर कोई नशे की तस्करी करता हुआ पकड़ा गया तो उसकी प्रॉपर्टी जब्त होगी। जरूरत पड़ी तो विधानसभा में भी इस संबंध में प्रस्ताव लेकर आएंगे, ताकि सख्त से सख्त कार्रवाई का प्रावधान किया जा सकें। उन्होंने कहा कि सुरक्षा फोर्स ने अब तक हादसों के बाद दो हजार से अधिक कीमती जानें बचाई हैं। नशा तस्करी के लिए ड्रोन का प्रयोग करने वाले तस्करों, गैंगस्टरों और आतंकवादियों के साथ निपटने के लिए विस्तृत रणनीति बनाई गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब नशे के विरुद्ध देश की लड़ाई लड़ रहा है और इस कार्य के लिए कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी। मान ने कहा कि पंजाब में नशा पैदा नहीं होता, बल्कि अन्य राज्यों और सरहद पार से नशा आ रहा है। उन्होंने कहा कि पंजाब को तो ऐसे ही बदनाम किया जा रहा है, जबकि महाराष्ट्र व गुजरात की बंदरगाहों से असल में नशे की तस्करी हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सत्ता में हिस्सेदार न बनने कारण भाजपा के सूबा प्रधान सुनील जाखड़ निराश हैं। उन्होंने कहा कि वह प्रदेश सरकार के खिलाफ बेबुनियाद बयान दे रहे हैं। उन्होंने अफसोस व्यक्त किया कि लंबे समय तक चुनाव आचार संहिता लागू होने के कारण राज्य में विकास कार्यों में रुकावट आई है, जो अब नहीं आएंगी।

पूर्व सरपंच के बेटे–भतीजे को विदेश भेजने के नाम पर 96 लाख रुपये ठगे, न भेजा न पैसे लौटाए

सोनीपत ०३/०२ (संवाददाता):। गोहाना के गांव बरोदा मोर के पूर्व सरपंच के बेटे व भतीजे को अमेरिका भेजने के नाम पर 96 लाख रुपये ऐंठने का मामला सामने आया है। आरोपियों ने दोनों को अमेरिका भेजने के लिए 50–50 लाख रुपये में सौदा किया था। रुपये लेने के बाद भी युवकों को विदेश नहीं भेजा। इतना ही नहीं 31 लाख रुपये उधार भी ले लिए। पीड़ित रुपये मांगने गए तो जान से मारने की धमकी दी गई। पीड़ित की शिकायत पर बरोदा थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव बरोदा मोर निवासी रमेश उर्फ लीला ने बताया कि वह गांव के पूर्व सरपंच हैं। उनकी जान पहचान जिला जींद के गांव लिजवाना निवासी दिनेश के साथ है। दिनेश ने करीब चार साल पहले कहा था कि वह एक एजेंट को जानते हैं जो युवकों को अमेरिका भेजता है। अमेरिका में अच्छी कमाई है, अपने बेटे को अमेरिका भेज दो। हालांकि इसके लिए मोटा खर्च लगेगा। पीड़ित ने अपने बेटे व भतीजे को विदेश भेजने के लिए 50–50 लाख में सौदा कर लिया। पीड़ित ने दिनेश के भाई अजय के खाते में 7.60 लाख रुपये ऑनलाइन भेजे थे। बाद में अजय 10 लाख रुपये नकद लेकर गया था। बाकी के रुपये नकद दिए और इस तरह पीड़ित ने 96 लाख रुपये आरोपियों को दे दिए।

इसके अलावा दिनेश ने अगस्त 2023 में करीब 31 लाख रुपये भी उधार लिए थे। उन्होंने बेटे व भतीजे का विदेश नहीं भेजा है और न ही रुपये वापस किए हैं। जब दिनेश से रुपये वापस लेने के लिए 18 मार्च को पीड़ित का बेटा रजत उनके घर गया तो दिनेश व उसके भाइयों ने जान से मारने की धमकी दी। जिस पर उन्होंने पुलिस को शिकायत दी है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। गांव बरोदा मोर के पूर्व सरपंच ने बेटे व भतीजे को विदेश भेजने के नाम पर ठगी किए जाने की शिकायत दी है। शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नशे के व्यापार में शामिल पुलिसकर्मी तुरंत होगा बर्खास्त, तस्करों की संपत्ति होगी कुर्क

चंडीगढ़ ०३/०२ (संवाददाता): मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मंगलवार को निचले स्तर के पुलिस अधिकारियों और तस्करों के बीच गठजोड़ को तोड़ने के लिए सख्त कदमों की घोषणा की। मान ने कहा कि जो भी पुलिस अधिकारी नशीली दवाओं के व्यापार में शामिल पाया जाएगा, उसे सेवा से बर्खास्त कर दिया जाएगा और तस्करों की संपत्ति जब्त कर ली जाएगी। मान ने राज्य भर में बड़े पैमाने पर निचले स्तर के पुलिस अधिकारियों के तबादले की भी घोषणा की और कहा कि विभाग को मजबूत करने के लिए 10,000 और पुलिस कर्मियों की भर्ती की जाएगी। चंडीगढ़ में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों के साथ बैठक के बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुए मान ने कहा कि पुलिस विभाग में जल्द ही सुधार देखने को मिलेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनाव के दौरान पंजाब में भारी मात्रा में ड्रग्स और नकदी जब्त की गई। उन्होंने कहा कि हमें सुराग मिला कि ये कहां से आए थे और उनका गंतव्य क्या था। हमारे पास पूरी जानकारी है। मान ने कहा कि जिस दिन आदर्श आचार संहिता समाप्त हुई, मैंने पुलिस महानिदेशक को फोन किया और नशीली दवाओं के खतरे पर कार्रवाई करने को कहा। मान ने कहा कि ऐसे आरोप हैं कि अधिकारी 10 साल से अधिक समय से एक ही पुलिस स्टेशन में काम कर रहे हैं और वहां पक्षपात चल रहा है। सीएम ने कहा कि निचले स्तर के पुलिस अधिकारियों और ड्रग तस्करों के बीच एक सांठगांठ थी, इसलिए राज्य पुलिस प्रमुख से पुलिस स्टेशन में तैनात अधिकारियों को तुरंत स्थानांतरित करने के लिए कहा गया है।

उन्होंने साफ किया कि अगर कोई पुलिस अधिकारी ड्रग्स की बिक्री में शामिल पाया गया तो इसे पाप के रूप में देखा जाएगा और सख्त कार्रवाई की जाएगी। उसे बर्खास्त कर दिया जाएगा। बाद में उससे पूछताछ की जाएगी ताकि पता लगाया जा सके कि यह कब से चल रहा था। उन्होंने आगे कहा कि अगर कोई भी ड्रग तस्कर पकड़ा जाएगा तो उसकी संपत्ति पकड़े जाने के एक सप्ताह के भीतर कुर्क कर ली जाएगी। मान ने कहा कि पंजाब में दस हजार पुलिस कर्मियों की भर्ती की जाएगी। 2002 में पंजाब पुलिस कर्मियों की संख्या 80–81 हजार थी और आज भी उतनी ही है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की बेटी शिवानी बनी एसडीएम, गांव भोडवाल माजरी में खुशी का माहौल

पानीपत। समालखा के गांव भोडवाल माजरी की 22 वर्षीय शिवानी पांचाल ने हरियाणा पब्लिक सर्विस कमीशन (एचपीएस सी) की परीक्षा पास कर अपने परिवार और गांव का नाम रोशन किया है। शिवानी को एसडीएम पद पर नियुक्ति मिली है। बीसी ए कैटेगरी में एचसीएस बनी शिवानी पांचाल गांव भोड़वाल माजरी के एक साधारण व संयुक्त परिवार से ताल्लुक रखती है। शिवानी की मां सविता एक आंगनबाड़ी कार्यकर्ता हैं जबकि पिता दिलबाग सिंह की 2005 में सड़क दुघर्टना में मौत हो चुकी है। शिवानी के चाचा नरेश पांचाल पुलिस में हैं। उन्होंने बताया कि शिवानी ने अपनी 12वीं तक की पढ़ाई समालखा के चंदन बाल विकास स्कूल से पूरी की तथा एनआईटी कुरुक्षेत्र से सिविल इंजीनियरिंग में बीटैक की।

Printed, Published,Edited, & Owned by Prakash Kumar Dhal, Printed at Promodini Publication, Main road , Chhend colony , Rourkela-15 & Published at ECR-73, Chhend Colony, Rourkela-15, Editor : Prakash kumar Dhal, Email:kalingasamachar@gmail.com , Mob: 9439951525, Ph. 0661-2646999

ओडिशा समाचार

कलिंग समाचार | राउरकेला, बुधवार 04 फरवरी 2026 | पृष्ठ-6

आरएसपी में ज्ञान मंच प्रश्नोज़री प्रतियोगिता के तृतीय संस्करण का आयोजन

राउरकेला ०३/०२ (संवाददाता): राउरकेला इस्पात संयंत्र (आरएसपी) के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग द्वारा गोपबंधु सभागार में ज्ञान मंच प्रश्नोज़री प्रतियोगिता के तृतीय संस्करण का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम द्विमासिक ज्ञान-साझाकरण पहल आरएसपी ज्ञान मंच के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य ज्ञानार्जन की संस्कृति को बढ़ावा देना, तकनीकी, प्रबंधकीय एवं वैश्विक क्षेत्रों में जागरूकता को सुदृढ़ करना तथा संयंत्र के कर्मचारियों के बीच टीमवर्क, प्रतिस्पर्धी भावना, अंतर-विभागीय समन्वय और क्रॉस-फंक्शनल ज्ञान साझा करने को मजबूत करना है। इस ऑनलाइन क्विज में कुल 51 टीमों ने भाग लिया, जिनमें प्रत्येक टीम में दो सदस्य शामिल थे। बोकारो इस्पात संयंत्र के वरिष्ठ प्रबंधक, श्री शुभन वर्मा ने क्विज मास्टर की भूमिका निभाई और प्रतियोगिता का संचालन किया। प्रतियोगिता में कुल 50 प्रश्नों के साथ दो राउंड आयोजित किए गए। रोचक एवं बौद्धिक रूप से प्रेरक प्रतिस्पर्धा के पश्चात, सहायक महाप्रबंधक (कोक ओवन), श्री संपद मिश्रा एवं सहायक महाप्रबंधक (एसएमएस-1), श्री एस श्रीनाथ की टीम को इस प्रतियोगिता का विजेता घोषित किया गया । ज्ञान मंच प्रश्नोज़री प्रतियोगिता का यह तृतीय संस्करण बिज़नेस क्विज पर आधारित थी। इस कार्यक्रम का समन्वय उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन-एलएंडडी), श्री के के जायसवाल द्वारा किया गया।सज़्मान एवं पुरस्कार व्यवस्था के अंतर्गत, विजेता टीम को 3000/- रुपये (प्रति सदस्य 1500/- रुपये) की पुरस्कार राशि के साथ-साथ 250/- रुपये मूल्य की पुस्तकें प्रदान की जाएंगी । पुरस्कार राशि विजेताओं के वेतन खातों में सीधे जमा की जाएगी। उल्लेखनीय है कि आरएसपी ज्ञान मंच ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग द्वारा आरएसपी एवं सेल की अन्य इकाइयों से सूचीबद्ध क्विज मास्टर्स के सहयोग से आयोजित एक संरचित द्विमासिक क्विज कार्यक्रम है। यह एस-1 से ई-7 स्तर तक के सभी नियमित कर्मचारियों के लिए खुला है, जिसमें दो सदस्यों की टीमों को स्थल पर ही पंजीकरण की सुविधा दी जाती है। टीमों को बाद के संस्करणों में अपने साथी बदलने की स्वतंत्रता है, हालांकि विजेता जोड़ियों को एक विज़ीय वर्ष में केवल दो बार ही दोहराने की अनुमति है। प्रश्नोज़री में फाइनलिस्टों के चयन के लिए एक ऑनलाइन प्रारंभिक दौर होता है, जिसके बाद पॉवरपॉइंट आधारित, ऑडियो-विजुअल और इंटरैज़्टिव अंतिम दौर होता है

पिपिली के पास ट्रांसजेंडर व्यक्ति की चाकू मारकर हत्या, पुलिस जांच में जुटी

भुवनेश्वर ०३/०२ (संवाददाता): भुवनेश्वर के बाहरी इलाके में पिपिली पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में ष्ट्ढ्ढ्न के पास एक ट्रांसजेंडर व्यक्ति की बेरहमी से चाकू मारकर हत्या कर दी गई, जिससे ट्रांसजेंडर समुदाय में दहशत और चिंता फैल गई है। मृतक की पहचान अंजलि के रूप में हुई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, अंजलि खून से लथपथ गंभीर हालत में पड़ी मिली। उसके साथी तुरंत उसे भुवनेश्वर के कैपिटल हॉस्पिटल ले गए, जहां डॉज़्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि अंजलि सालेपुर की रहने वाली थी और कुछ समय से भुवनेश्वर में रह रही थी।

पुलिस ने घटना की विस्तृत जांच शुरू र दी है। हत्या के पीछे का मकसद अभी पता नहीं चला है। जांच के तहत, पुलिस ने पीड़िता का मोबाइल फोन जज़्त कर लिया है और कॉल डिटेल रिकॉर्ड का विश्लेषण कर रही है। आरोपी का पता लगाने के लिए ष्ट्ढ्ढ्न और आसपास के प्रतिष्ठानों के फुटेज की भी जांच की जा रही है। घटना की पुष्टि करते हुए, पिपिली पुलिस स्टेशन के सौज़्येंदु शेखर त्रिपाठी ने कहा कि पुलिस को ष्ट्ढ्ढ्न के पास एक ट्रांसजेंडर व्यक्ति के घायल पड़े होने की सूचना मिली थी। हमारी टीम तुरंत मौके पर पहुंची और उसे कैपिटल हॉस्पिटल ले गई, लेकिन उसने दम तोड़ दिया। हम फोन रिकॉर्ड और अन्य सबूतों की जांच कर रहे हैं। इसमें शामिल लोगों के खिलाफ सज़्त कार्रवाई की जाएगी, उन्होंने कहा। उन्होंने आगे कहा कि पीड़िता हाल ही में समूह में शामिल हुई थी, और पुलिस यह पता लगा रही है कि ज़्या कोई पुरानी दुश्मनी थी। दोस्तों के बयान मृतक के दोस्तों ने घटना के चौंकाने वाले विवरण साझा किए हैं। उसकी एक साथी ने बताया कि उसे रात करीब 8:17 बजे अंजलि का फोन आया था। उसने मुझे बताया कि दो लोगों ने तेज धार वाले हथियारों से उस पर हमला किया है और मुझे गुरु को सूचित करने के लिए कहा। वह आगे बात नहीं कर पाई, और कॉल कट गया, दोस्त ने कहा। एक अन्य साथी ने बताया कि सूचना मिलने के बाद वे रात करीब 9:30 बजे मौके पर पहुंचे। वह जीवित थी लेकिन गंभीर रूप से घायल थी और उसने पानी मांगा। हमने एज़्बुलेंस का इंतजाम किया और उसे अस्पताल ले गए, लेकिन डॉज़्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया, साथी ने कहा। इस बीच, ट्रांसजेंडर अधिकार कार्यकर्ता और नेशनल काउंसिल फॉर ट्रांसजेंडर पर्सन्स की सदस्य मीरा परिदा कैपिटल हॉस्पिटल पहुंचीं और तत्काल कार्रवाई की मांग की। उन्होंने घटना पर चिंता व्यक्त की और पुलिस से जांच में तेजी लाने का आग्रह किया। अगर अपराध ष्ट्ढ्ढ्न के पास हुआ है, तो ष्टष्टञ्जङ्क कैमरों से अपराधियों की पहचान करने में मदद मिलनी चाहिए। उन्हें जल्द से जल्द गिरज़्तार किया जाना चाहिए, उन्होंने कहा। पुलिस ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम सोमवार को किया जाएगा, और आगे की जांच जारी है।

पुरी में अस्तारंगा तट से 10 फुट के मगरमच्छ को सुरक्षित बचाया गया

पुरी ०३/०२ (संवाददाता): पुरी ज़िले में अस्तारंगा तट पर दिखे एक बहुत बड़े मगरमच्छ को वन विभाग ने सफलतापूर्वक बचा लिया, जिससे स्थानीय लोगों और पर्यटकों को राहत मिली। तटरेखा पर इस विशाल सरीसृप को देखने के बाद आस-पास के तटीय गांवों में रहने वाले लोगों के साथ-साथ इलाके में आने वाले पर्यटकों में भी डर का माहौल बन गया था।

घटना के बाद, अस्तारंगा वन रेंज के अधिकारियों ने तुरंत पर्यटकों को चेतावनी जारी की और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए तट पर गश्त बढ़ा दी। लोगों की सुरक्षा को देखते हुए, मगरमच्छ का पता लगाने और उसे पकड़ने के लिए एक विशेष बचाव अभियान शुरू किया गया।

लगातार दो दिनों तक, राजनगर रैपिड रिस्पांस टीम और अस्तारंगा वन रेंज के अधिकारियों की एक संयुक्त टीम ने समुद्री रास्तों से मगरमच्छ की गतिविधियों पर बारीकी से नज़र रखी। टीम लगातार अलर्ट पर रही और सरीसृप पर नज़र रखती रही ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उसे लोगों या जानवर को नुकसान पहुंचाए बिना बचाया जा सके। बचाव अभियान कल पीर जहानिया समुद्र तट के पास सफलतापूर्वक चलाया गया। जाल का इस्तेमाल करके, वन विभाग की टीम ने लगातार प्रयासों के बाद मगरमच्छ को सुरक्षित रूप से पकड़ लिया। बचाव के बाद, मगरमच्छ को भितरकनिका ले जाया गया, जहाँ वह एक उपयुक्त प्राकृतिक आवास में रहेगा। वन अधिकारियों ने पुष्टि की कि मगरमच्छ की लंबाई 10 फीट 6 इंच है और यह खारे पानी की मगरमच्छ प्रजाति का है। वन विभाग की समय पर कार्रवाई से तटीय निवासियों में सुरक्षा की भावना बहाल हुई, साथ ही मगरमच्छ को सुरक्षित रूप से दूसरी जगह पहुँचाना भी सुनिश्चित हुआ।

ग्रामीणों के विरोध के बाद शराब दुकान पर प्रशासन की नीति में बदलाव

सुंदरगढ़ ०३/०२ (संवाददाता): ओडिशा के सुंदरगढ़ ज़िले की नुआगाँव ग्राम पंचायत के सैकड़ों निवासियों ने रविवार को एकजुट होकर एक देसी शराब की दुकान खोलने के प्रस्ताव का ज़ोरदार विरोध किया। उन्होंने इसके सामाजिक प्रभाव पर गंभीर चिंता जताई और ज़िला प्रशासन से तुरंत दखल देने की मांग की। रिपोर्ट्स के अनुसार, नुआगाँव के सरपंच ने बड़ी संज़्या में ग्रामीणों के साथ मिलकर नुआगाँव ग्राम पंचायत में आयोजित एक जन सुनवाई के दौरान शराब की दुकान का कड़ा विरोध किया। यह बैठक इलाके में एक नई देसी शराब की दुकान खोलने के प्रस्ताव पर चर्चा करने के लिए बुलाई गई थी। बिरमित्रपुर के तहसीलदार और राउरकेला और बिरमित्रपुर के आबकारी विभाग के प्रतिनिधियों सहित अधिकारी मौजूद थे और उन्होंने स्थानीय निवासियों के साथ चर्चा की। सुनवाई के दौरान तनावपूर्ण माहौल बना रहा ज़्योंकि ग्रामीण अपने विरोध पर अड़े रहे, और साफ तौर पर कहा कि वे किसी भी हालत में शराब की दुकान नहीं खुलने देंगे। अधिकारियों ने स्थानीय लोगों को प्रस्ताव के बारे में समझाने की कोशिश में लंबी चर्चा की, लेकिन निवासियों ने हार नहीं मानी। इसके बाद, प्रशासनिक अधिकारी मौके से चले गए, और उस समय कोई और कार्रवाई नहीं की गई। स्थानीय निवासियों ने आरोप लगाया कि इलाके में शराब के सेवन से पहले ही कई मौतें हो चुकी हैं और कई परिवार बर्बाद हो गए हैं, जिससे सामाजिक सद्भाव बुरी तरह प्रभावित हुआ है। उन्होंने ज़िला प्रशासन से स्थिति पर गंभीरता से ध्यान देने और यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि व्यापक जनहित में प्रस्तावित शराब की दुकान को रद्द कर दिया जाए। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि अगर भविष्य में दुकान खोलने का कोई भी प्रयास किया गया तो वे अपना विरोध जारी रखेंगे।

लड़की को किडनैप के बाद जंगल में फेंक दिया गया, परिवार ने रेप का आरोप लगाया

कंधमाल ०३/०२ (संवाददाता): कथित यौन उत्पीड़न की एक और चौंकाने वाली घटना में, ओडिशा के कंधमाल जिले के बेलघर में दो युवकों ने कथित तौर पर एक 14 साल की लड़की को किडनैप किया, बांध दिया और जंगल में छोड़ दिया। इस अपहरण का पता तब चला जब नाबालिग लड़की आज सुबह घर लौटने में कामयाब रही और उसने अपने परिवार को आपबीती बताई। पीड़िता की शिकायत के बाद एक युवक को हिरासत में लिया गया है। शुरुआती जांच में पता चला है कि रविवार सुबह लड़की नहाने के लिए स्थानीय नदी किनारे गई थी, तभी दो युवकों ने उसे रोक लिया। इसके बाद उन्होंने किशोरी को अगवा कर लिया और उसे पास के एक घने जंगल में ले गए, जहां उन्होंने कथित तौर पर उसके साथ बदतमीजी की। लड़की ने दावा किया कि बदमाशों ने उसके कपड़े फाड़ दिए, उसके साथ रेप किया और वीडियो वायरल करने की धमकी दी। इसके बाद हमलावरों ने उसका मुंह बंद कर दिया, उसके हाथ-पैर बांध दिए और उसे जंगल में फेंककर भाग गए। ठंडे जंगल में अकेली एक भयानक रात बिताने के बाद, लड़की किसी तरह खुद को छुड़ाने में कामयाब रही और आज घर वापस आ गई। उसने अपने परिवार को अपनी आपबीती सुनाई, जिसके बाद उन्होंने तुरंत अधिकारियों से संपर्क किया। परिवार ने आरोप लगाया है कि अपहरण के दौरान नाबालिग के साथ रेप किया गया। शिकायत पर तुरंत कार्रवाई करते हुए, बेलघर पुलिस ने एक युवक को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। दूसरा संदिग्ध अभी भी फरार है, और आसपास के जंगल क्षेत्रों और पड़ोसी गांवों में तलाशी अभियान तेज कर दिया गया है। पीड़िता को औपचारिक मेडिकल जांच के लिए भेजा गया है, और ब्व्हस् और ब्व्हष्टस्ह (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

डायरेज़्टोरेट ऑफ फैज़्ट्रीज एंड बॉयलर, ओडिशा सरकार और आरएसपी द्वारा संयुक्त रूप से औद्योगिक सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

राउरकेला ०३/०२ (संवाददाता): राउरकेला स्टील प्लांट (आर.एस.पी.) के सेंट्रल पावर ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (सी.पी.टी.आई.) में 'सक्षम व्यक्तियों द्वारा अपनाई जाने वाली प्रशिक्षण प्रक्रियाओं के विशेष संदर्भ में इंडस्ट्रियल सेज़्टी' पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम स्टेट लेबर इंस्टीट्यूट, ओडिशा ने डायरेज़्टोरेट ऑफ फैज़्ट्रीज़ एंड बॉयलर, ओडिशा सरकार और आर.एस.पी. के साथ मिलकर आयोजित किया था। निदेशक (फैज़्ट्री और बॉयलर), ओडिशा सरकार, आई.ए.एस., श्री इंद्रमणि त्रिपाठी ने उदघाटन सत्र में मुज़्य अतिथि के रूप में उपस्थित हो कर कार्यक्रम का उदघाटन किया। कार्यपालक निदेशक (वर्क्स), श्री बिश्वरंजन पलाई, उप निदेशक (फैज़्ट्री और बॉयलर-सेज़्टी), डॉ. एम.प्रधान, उप निदेशक (फैज़्ट्री और बॉयलर) ,राउरकेला डिवीजन, श्री बिभु प्रसाद, सहायक निदेशक (फैज़्ट्री और बॉयलर), श्री अनिल नंद मंच पर उपस्थित थे। मुज़्यश महा प्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवा), श्री हीरालाल महापात्रा, महा प्रबंधक एवं विभागाध्यहक्ष (सुरक्षा इंजीनियरिंग), श्री अवकाश बेहेरा और प्लांट के कई वरिष्ठ अधिकारी इस अवसर पर उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में प्लांट की विभिन्न यूनिटों से 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया। अपने उदघाटन भाषण में श्री त्रिपाठी ने सुरक्षित और टिकाऊ औद्योगिक प्रथाओं को सुनिश्चित करने में सक्षम व्यक्तियों की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने दुर्घटनाओं को रोकने और कार्यस्थल पर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वैधानिक मानदंडों का कडाई से पालन, समय-समय पर निरीक्षण और औद्योगिक उपकरणों के समय पर सर्टिफिकेशन के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस शानदार प्रशिक्षण कार्यक्रम को आयोजित करने के लिए आर.एस.पी. कर्मीसमूह को धन्यवाद भी दिया। इस अवसर पर बोलते हुए श्री पलाई ने कार्यक्रम को संयुक्त रूप से आयोजित करने और राउरकेला स्टील प्लांट में औद्योगिक सुरक्षा और वैधानिक अनुपालन को मजबूत करने में उनके निरंतर मार्गदर्शन और समर्थन के लिए फैज़्ट्री और बॉयलर विभाग को धन्यवाद दिया। डॉ. एम.प्रधान ने प्रतिभागियों को कार्यक्रम के उद्देश्यों और संरचना के बारे में बताया, जिसमें वैधानिक टेस्टिंग और सर्टिफिकेशन प्रक्रियाओं पर इसके केंद्रित पर प्रकाश डाला गया। श्री बिभु प्रसाद ने अपने संबोधन में सुरक्षित कार्य परिस्थितियों को सुनिश्चित करने के लिए वैधानिक अनुपालन और औद्योगिक प्रतिष्ठानों की नियमित जांच के महत्व पर प्रकाश डाला।

प्रारंभ में श्री बिभु प्रसाद ने बैठका का स्वागत किया। श्री अनिल कुमार नंद ने औपचारिक धन्यवाद ज्ञापित किया। सहायक प्रबंधक (सुरक्षा),सुश्री प्रज्ञा नाथ ने उदघाटन समारोह का संचालन किया। कार्यक्रम के तकनीकी सत्र में प्रेशर वेसल, बिल्डिंग और स्ट्रक्चर, लिज़्टिंग टूल और टैकल एवं सीमित जगहों की जांच और सर्टिफिकेशन जैसे ज़रूरी क्षेत्रों को शामिल किया गया। इन सत्र में कानूनी ज़रूरतों, बेस्ट प्रैज़्टिस और जांच और सर्टिफिकेशन के प्रैज़्टिकल पहलुओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई, जिससे सेज़्टी प्रोफेशनल्स, इंजीनियरों और इंडस्ट्रियल ऑपरेशन से जुड़े अधिकारियों को फायदा हुआ।